SHASKIYA MAHAPRABHU VALLABHACHARYA
SNATKOTTAR MAHAVIDYALAYA,
MAHASAMUND (C.G.) 493445
Accredited With Grade "C" by NAAC
Registered Under Section 2f & 12 (B) of UGC Act, AISHE Code C-21676
Affiliated to Pt. RavishankarShukla University, Raipur (C.G.)
Website -http://mvpgcollege.org , Email -pgcollege.mahasamund@gmail.com, Phone- (07723) 299100

GUEST LECTURE

आज दिनांक 12/7/17 को एम० ए०
समाजशास्त्र द्वितीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर
हेतु व्याख्यान का आयोजन किया गया है
डॉ० (श्रीमती) पुष्पा तिवारी, सहायक प्राध्यापक
समाजशास्त्र, शास० दू० ब० स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
रायपुर "चुनौतियों के लिए स्वयं को पर व्याख्यान देंगी।
सधन्यवाद

Thakur
(डॉ० जया ठाकुर)
विभागाध्यक्ष

Principal
Govt.M.V.P.G.College
Mahasamund(C.G.)

डॉ० पुष्पा तिवारी — P. Tiwari 12.7.17
डॉ० रीता पाण्डेय — 12/07/17
डॉ० कुमकुम भारती

M. A. II Sem sociology

1) अनामिका साहू — Anah.
2) अंशुम कातिया —
3) भरत भूषण साहू — Bhut
4) भरत सिंह ध्रुव — B.Sandhey
5) चंचल चिलहरे — Chanchal Chilhare
6) चितेश्वरी साहू — Csahu
7) डोमेन्द्र साहू —
8) काशी शुक्ला — kanshi shukla
9) लीना सिन्हा — Sinha
10) ममता वर्मा — Verma
11) नूतन पटेल — Nutan Patel
12) पूजा यादव — Yadav
13) प्रकाश साहू — Prakash
14) प्रेरणा तम्बोली — P. Tamboli
15) प्रियंका चन्द्राकर — Priyanka
16) प्रियंका सिन्हा — Psinha
17) प्रियंका चिलहरे — Priyka
18) रजनी साहू — रजनी साहू
19) रूपेन्द्र कुमार — रूपेन्द्र
20) हिमांशु चन्द्राकर — Himanshu

M.A. IV sem sociology.

भोलाराम साहू - [illegible]
दीपा सोनकर - दीपा सोनकर
दीक्षा अग्रवाल - दीक्षा अग्रवाल
गोमती प्रजापति - Gprajapati
हीना चन्द्राकर - Hchandrakar
हेमलता पटेल - Hpatel
ज्योतिका राजपूत - JRajput
कीर्ति साहू - Kirtlee
कुसुमलता साहू - [illegible]
लीना चन्द्राकर - Leenachandrakar.
लीलाधर प्रसाद साहू - Leelsahu
मनोरमा मालेकर - Mmalekar.
नीरज कुमार सिन्हा - [illegible]
पायल पटेल - PayalPatel
पुष्पा ~~पटेल~~ नागा - Pushpa
रोहित कुमार - Rohit
रोशनी पटेल - Roshani
संतोषी निर्मलकर - Santoshi
श्वेता साहू - Ssahu

12 नईदुनिया
रायपुर, गुरुवार 13 जुलाई 2017

महासमुंद-धमतरी

व्याख्यान 'चुनौतियों के लिए स्वयं को सशक्त बनाना' विषय पर हुआ आयोजन

'समाज में चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा'

प्रीजी कॉलेज में समाजशास्त्र विभाग का आयोजन

कार्यक्रम में उपस्थित प्राध्यापकं।

महासमुंद। नईदुनिया न्यूज

शासकीय महाप्रभु वल्लभाचार्य स्नातकोत्तर महाविद्यालय के मचेवा स्थित विज्ञान भवन में बुधवार 12 जुलाई को समाजशास्त्र विभाग ने द्वितीय और चतुर्थ सेमेस्टर के छात्र-छात्राओं के लिए व्याख्यान का आयोजन किया। व्याख्यान का विषय 'चुनौतियों के लिए स्वयं को सशक्त बनाना' है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि समाजशास्त्र प्राध्यापक शासकीय/ दूधाधारी बजरंग कन्या महाविद्यालय रायपुर डॉ. पुष्पा तिवारी प्रमुख रूप से उपस्थित थी। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य शासकीय पीजी कॉजेल डॉ. एके खरे ने की। विशेष अतिथि समाजशास्त्र विभागाध्यक्ष डॉ. जया ठाकुर, इतिहास विभागाध्यक्ष डॉ. रीता पांडेय, हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. दुर्गावती भारती उपस्थित थीं। भारत माता और सरस्वती माता के छायाचित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम की शुरुआत की गई। सर्वप्रथम अतिथियों का स्वागत किया गया। पश्चात डॉ. पुष्पा तिवारी ने छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि मानव सामाजिक प्राणी है और -शेष पेज 13 पर

12/7/17

डॉ॰ पुष्पा तिवारी, सहायक प्राध्यापक
शास॰ म॰व॰ स्नातकोत्तर महाविद्यालय
महासमुन्द

दैनिक भास्कर

रायपुर, गुरुवार 13 जुलाई, 2017 | 17

कार्यशाला | एमवी कॉलेज के विज्ञान भवन में समाजशास्त्र विभाग ने व्याख्यान का आयोजन किया

स्वस्थ समाज में सकारात्मक सोच से चुनौतियों को पूरा करें : तिवारी

भास्कर न्यूज | महासमुंद

एमवी महाविद्यालय मचेवा के विज्ञान भवन में समाजशास्त्र विभाग द्वारा द्वितीय और चतुर्थ सेमेस्टर के छात्र-छात्राओं के लिए चुनौतियों के लिए स्वयं को सशक्त बनाना विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि कन्या महाविद्यालय रायपुर की समाजशास्त्र प्राध्यापिका डॉ. पुष्पा तिवारी थीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. एके खरे ने की। कार्यक्रम में समाजशास्त्र विभागाध्यक्ष डॉ. जया ठाकुर ने कहा कि समाजशास्त्र चुनौतियों को पूरा करने का सशक्त माध्यम है, जो हमें सिखाती है कि व्यक्ति के साथ प्रेमपूर्वक व्यवहार करना चाहिए। मुख्य अतिथि डॉ. पुष्पा तिवारी ने कहा कि समाज में सकारात्मक सोच से चुनौतियों को पूरा कर सकते हैं। हम सब सामाजिक प्राणी हैं और हमें समाज में ही रहना है। समाजशास्त्र ऐसा विषय है जिसमें हम समाज से संबंधित विषयों का अध्ययन करते हैं। समाज में हमें हर प्रकार के व्यक्तियों का सामना करना होता है। प्रत्येक व्यक्ति की गतिविधियां अलग-अलग होती है, इसलिए सभी के साथ प्रेम संबंध स्थापित करना चाहिए। कार्यक्रम को प्राचार्य डॉ. एके खरे, इतिहास विभागाध्यक्ष डॉ. रीता पाण्डेय, हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. दुर्गावती भारती ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम का संचालन द्वितीय सेमेस्टर की छात्रा चितेश्वरी साहू ने की। कार्यक्रम को सफल बनाने में सभी छात्र-छात्राओं का योगदान रहा।

महासमुंद.एमवी महाविद्यालय मचेवा के विज्ञान भवन में समाजशास्त्र विभाग ने चुनौतियों के लिए स्वयं को सशक्त बनाना विषय पर व्याख्यान आयोजित किया।

समाज में रहना है तो चुनौतियों का सामना करें

डॉ. जया ठाकुर ने बताया कि ऐसे आयोजन से छात्र-छात्राओं को नई बातें सुनने और समझने को मिलती है। उन्होंने कहा कि आज समाज में रहना है तो चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा. इसके लिए सभी लोगों को जागरूक करना जरूरी है। आज समाज के सभी पहलू चुनौतियों से भरी हुई है और इन्ही चुनौतियों को सकारात्मक सोच के साथ पूरा करने का सशक्त माध्यम है समाजशास्त्र। जो हमें सिखाती है कि व्यक्ति के साथ प्रेमपूर्वक व्यवहार करना चाहिए। किसी भी सामाजिक प्राणी के साथ नकारात्मक व्यवहार नहीं करना चाहिए। इससे समाज के साथ हमेशा जुड़े रहेंगे और समाज के पहलुओं को समझने में आसानी होगी।

महासमुंद • बागबाहरा • पिथौरा • बसना • सरायपाली

नवभारत

रायपुर
सोमवार
16 अक्टूबर, 2017

मनोरोग एक जैविक परिवर्तन-डॉ. सानिया

■ कार्यालय द्वारा |महासमुंद.

शासकीय महाप्रभु वल्लभाचार्य स्नातकोत्तर महाविद्यालय में आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ, राष्ट्रीय सेवायोजना महिला इकाई, समाज शास्त्र विभाग एवं जिला चिकित्सालय के तत्वावधान में विश्व मानसिक

कॉलेज विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर व्याख्यान

स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर अवसाद-कारण एवं निदान पर मनोचिकित्सक डॉ. सोनिया परियल रायपुर द्वारा व्याख्यान दिया गया. भारत में आज से दस वर्ष पूर्व अवसाद या मनोरोग इतना नहीं था परंतु आज 5 में 1 व्यक्ति मनोरोग से पीड़ित है. हमें किसी भी मानसिक रोग के प्रति स्टिगमा नहीं बनाना है. क्योंकि, अन्य शारीरिक कष्ट की तरह यह भी होने वाला एक जैविक परिवर्तन है जिसे औषधियों द्वारा नियंत्रित किया जा सकता है. उन्होंने बताया कि अवसाद के कारण अनुवांशिक होने के साथ परिस्थिति जन्य भी होती है. और महिलाओं को इसकी संभावना अधिक होती है. इस अवसाद का कारण मां- पिता की बढ़ती अपेक्षा, टूटते संयुक्त परिवार, सोशल मीडिया पर निर्भरता और लोगों से बढ़ती दूरी है. कुछ अवसाद की स्थिति में औषधि भी लेना पड़ता है. इस समस्या के निदान के लिए हमें सामाजिक जुड़ाव, व्यक्तिगत जुड़ाव बढ़ाना चाहिए. ये हमें स्मार्ट फोन की

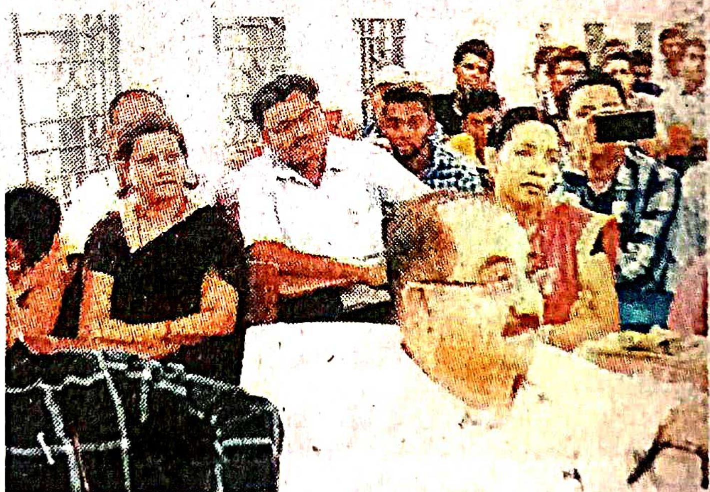

अभासी दुनिया से बाहर लाएगी. साथ ही अच्छी डाइट, योग के साथ व्यायाम, खेलकुद, परिवारिक मूल्य, सांस्कृतिक मूल्य एवं धार्मिक मूल्य से जुड़ा रहना आवश्यक है. डॉ. आरके परदल, मुख्य चिकित्सा अधिकारी जिला अस्पताल ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए बताया कि मनोरोग सामान्य व्यक्तियों से लेकर विशिष्ट व्यक्तियों को हो सकता है. हमें जागरूक होना है और संवेदन शील होकर अपने आसपास के परिवेश के लोगों क सहायकता करनी है. जिससे की वे किसी भी प्रकार के मानसिक रोगों से बाहर आ सके.

कार्यक्रम में प्राचार्य डॉ. एके खरे, डॉ. अनुसुईया अग्रवाल, एस बरवा, डॉ. रीता पांडेय, श्रीमती करूणा दुबे, डॉ. मालती तिवारी, डॉ. एसबी कुमार, डॉ. वैशाली गौतम हिरवे, महेंद्र कुमार, मनीराम धीवर, अजय राजा, श्रीमती राजेश्वरी सोनी, डॉ. आशा रामटेके एवं जिला अस्पताल से डॉ. निखिल गोस्वामी, डॉ. चंद्राकर एवं अन्य स्टाफ एवं छात्र-छात्राऐं उपस्थित थे. संचालन डॉ. दुर्गावती भारतीय ने किया एवं आभार प्रदर्शन डॉ. जया ठाकुर ने किया. यह जानकारी कॉलेज की विज्ञप्ति में दी.

16 नईदुनिया
रायपुर, शुक्रवार 10 नवंबर 2017

सफेदपोश अपराधियों से सतर्क रहने की जरूरत स्वभाव से स्वयं को हमेशा प्रदर्शित करते हैं नम्र

कॉलेज में सफेदपोश अपराध पर सेमिनार आयोजित

महासमुंद। नईदुनिया न्यूज

शासकीय महाप्रभु वल्लभाचार्य स्नातकोत्तर महाविद्यालय महासमुंद के समाजशास्त्र विभाग में श्वेत वसन (सफेदपोश) अपराध पर विभागीय सेमिनार का आयोजन किया गया। सर्वप्रथम प्राचार्य डॉ. एके खरे, विभागाध्यक्ष डॉ. जया ठाकुर ने मां सरस्वती की पूजा-अर्चना की। तत्पश्चात विद्यार्थियों ने मंचस्थ अतिथियों का पुष्प गुच्छ से स्वागत किया। प्राचार्य डॉ. खरे ने सेमिनार के विषय श्वेत वसन अपराध पर विचार रखते हुए कहा कि श्वेत वसन एक ऐसा अपराध है जिसे एक प्रतिष्ठित तथा उच्च सामाजिक स्थिति वाला व्यक्ति अपने पेशे के दौरान करता है। इससे सतर्क रहने की जरूरत है। विभागाध्यक्ष डॉ. जया ठाकुर ने कहा ऐसे अपराधी समाज में उच्च पदों पर आसीन होते हैं, जिनके पास आर्थिक साधनों की कोई कमी नहीं होती। ये बहुत ही संभ्रांत प्रतीत होते हैं। व्यवहार तथा स्वभाव से स्वयं को नम्र प्रदर्शित करते हैं। लेकिन फिर भी अपनी स्वार्थ सिद्धि के लिए कानूनों का उल्लंघन करते हैं तथा अपनी चालाकी और शक्ति के दुरुपयोग से समाज में अपनी प्रतिष्ठा को भी बनाए रखते हैं। ये व्यक्ति या तो कभी पकड़े ही नहीं जाते और यदि कभी पकड़े भी गए तो दंड से बच निकलते हैं। सेमिनार में डॉ. रीता पांडेय, डॉ. दुर्गावती भारती, डॉ. शोभना झा, डॉ. जीवन चंद्राकर ने भी अपने विचार रखे। कार्यक्रम का संचालन सिद्धांत साहू व आभार-प्रदर्शन चंचल गिलहरे ने किया।

नईदुनिया 13
रायपुर, सोमवार 23 अक्टूबर 2017

'ग्रामीण समाज में पंचायत व्यवस्था' विषय पर विद्यार्थियों ने दिया व्याख्यान

महासमुंद। नईदुनिया न्यूज

शासकीय महाप्रभु वल्लभाचार्य स्नातकोत्तर महाविद्यालय महासमुंद में समाजशास्त्र विभाग ने सेमिनार का आयोजन किया। प्राचार्य डॉ. एके खरे एवं विभागाध्यक्ष डॉ. जया ठाकुर ने मां सरस्वती के छायाचित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

डॉ. खरे ने सेमिनार के विषय 'ग्रामीण समाज में पंचायत व्यवस्था' पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि ग्राम स्तर पर पंचायत सभी प्रशासनिक तथा न्यायिक कल्याण कार्यों को पूर्ण करती है। डॉ. जया ठाकुर ने कहा कि 73वां संशोधन अधिनियम 1993 के पारित हो जाने के बाद से ग्रामीण समाज में पंचायती राज व्यवस्था को बल मिला है।

इससे छोटे कृषकों एवं खेतिहर मजदूरों के सामाजिक आर्थिक स्थिति में सुधारात्मक परिवर्तन तो आया है, किंतु ग्रामीण समाज के छोटे से हिस्से में अभी भी छोटे कृषक तथा खेतिहर मजदूर एक निश्चित आय की तलाश में नगरीय औद्योगिक केंद्रों में पलायन करने को विवश हैं।

सेमिनार में उपस्थित छात्र-छात्राएं। फोटो : नईदुनिया

पीजी कॉलेज में सेमिनार का आयोजन

एमए समाजशास्त्र प्रथम सेमेस्टर के 10 विद्यार्थियों ने अपने शोधपत्रों का वाचन किया। इस अवसर पर एमए समाजशास्त्र प्रथम एवं तृतीय सेमेस्टर के विद्यार्थी, डॉ. दुर्गावती भारतीय, डॉ. वैशाली हिरवे, डॉ. शोभना झा, आशुतोष गिरी गोस्वामी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. शोभना झा एवं आभार-प्रदर्शन समाजशास्त्र विभागाध्यक्ष डॉ. जया ठाकुर ने किया।

ग्राम स्तर पर न्यायिक कल्याण कार्यों को पूर्ण करती है पंचायत

महासमुंदपत्रिका .08

patrika.com
पत्रिका . महासमुंद. मंगलवार. 23.01.2018

व्याख्यान

समाज की कार्यप्रणाली का अध्ययन है समाजशास्त्र

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

महासमुंद. शासकीय महाप्रभु वल्लभाचार्य स्नातकोत्तर महाविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग में व्याख्यान का आयोजन किया गया। शासकीय जे योगानंदम स्नातकोत्तर महाविद्यालय रायपुर के समाजशास्त्र के सहायक प्राध्यापक शारदा जैन द्वारा व्याख्यान दिया गया। सर्वप्रथम मां सरस्वती की प्रतिमा में माल्यार्पण कर सरस्वती वंदना की गई।

इसके बाद डॉ. जया ठाकुर विभागाध्यक्ष समाजशास्त्र विभाग द्वारा शारदा जैन का स्वागत पुष्पगुच्छ भेंट कर किया गया। अपने व्याख्यान में शारदा जैन ने भारतीय सामाजिक चिंतन के विषय में बताया। जैन ने कहा कि समाजशास्त्र समाज की कार्यप्रणाली, व्यवहार, संबंधों का अध्ययन है। भारत जैसे कृषि प्रधान देश में सामाजिक व्यवहार कृषक परिवेश से जुड़ा हुआ है। जब हम समाज में जाते हैं, तो उनकी जीवन शैली, लोकगीत, लोकसाहित्य को जानने का प्रयास करते हैं। उन्होंने बताया कि संरचनावाद व उत्तर संरचनावाद 2000 के बाद भारतवर्ष के लिए परिवर्तन का दौर रहा है।

कार्यक्रम... समाज शास्त्र के व्याख्यान माला के दौरान उपस्थित अतिथि और छात्र-छात्राएं।

...र अपराध बढ़ा

... कहा कि आज पढ़े लिखे वर्ग ... अपराध की ओर बढ़ रहे हैं। ... मुख्य कारण बेरोजगारी है। ...क समस्याओं का निदान ... हम समाजशास्त्रियों का ... है। व्याख्यान माला के ... पर कॉलेज के प्राचार्य डॉ. ...रे, डॉ. रीता पांडेय, डॉ. ... भारतीय, डॉ. शोभना झा, डॉ. ... गौतम हिरबे उपस्थित थे। ... के अंत में डॉ. जया ठाकुर ...यक्ष समाजशास्त्र ने शारदा ... सभी प्राध्यापकों का आभार ...या।

... आधुनिकवाद आता जा रहा ... इस मौके पर कॉलेज स्टॉफ के ... छात्र-छात्राएं बड़ी संख्या में मौ...।

दैनिक भास्कर

रायपुर, रविवार 11 मार्च, 2018 | 24

छात्र-छात्राओं में बौद्धिक स्तर का विकास करना ही उद्देश्य

एमवीपीजी कॉलेज में किया सेमिनार का आयोजन

महासमुंद. सेमीनार में उपस्थित प्रध्यापक एवं विद्यार्थी।

महासमुंद| एमवीपीजी कॉलेज महासमुंद में समाजशास्त्र विभाग की ओर से बालश्रम, महिला श्रमिक, शिक्षा, जागरूकता, कौशल विकास जैसे सामाजिक गतिविधियों को लेकर शनिवार 10 मार्च को सेमिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि प्राचार्य डॉ एके खरे उपस्थित हुए। विशिष्ट अतिथि के रूप में हिन्दी विभागाध्यक्ष डॉ अनसूया अग्रवाल, राजनीति विज्ञान विभागध्यक्ष डॉ मालती तिवारी, डॉ दुर्गावती भारतीय, मनोविज्ञान विभागध्यक्ष वैशाली गौतम हिरवे और प्रमिला उपस्थित थीं।

मुख्य अतिथि डा खरे ने कौशल विकास की जानकारी दी। डॉ अनसूया अग्रवाल ने आजीविका के संबंध में जानकारी दी। आज स्वरोजगार बेरोजगारी दूर करने का अति उत्तम विकल्प है।

आयोजन से बुद्धि और चेतना का विकास होता है

डा मालती तिवारी और डॉ दुर्गावती भारतीय, वैशाली गौतम हिरवे सहित प्रमिला महिरवार ने भी छात्र-छात्राओं को संबोधित किया। कार्यक्रम के अंत में समाजशास्त्र विभागाध्यक्ष डा जया ठाकुर ने आभार प्रदर्शन किया। संचालन चतुर्थ सेमेस्टर की छात्रा चितेश्वरी साहू ने किया। इस अवसर पर प्रकाश साहू, हिमांशु चंद्राकर, भरत ध्रुव, सिद्धांत, चंचल, प्रियंका चंद्राकर, अनामिका, रजनी साहू, ममता, अंजुम फातिमा सहित समाजशास्त्र द्वितीय और चतुर्थ सेमेस्टर के समस्त छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

महासमुंद पत्रिका
mahasamund patrika
SUNDAY
महासमुंद. रविवार. 11 मार्च 2018
सरायपाली . बसना . पिथौरा . बागबाहरा . तुमगांव . खरियाररोड

ANCHOR

समाजशास्त्र विभाग का सेमिनार

बेरोजगारी दूर करने का उत्तम विकल्प स्वरोजगार

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

महासमुंद. शासकीय एमवीपीजी कॉलेज महासमुंद में समाजशास्त्र विभाग की ओर से बालश्रम, महिला श्रमिक, शिक्षा, जागरूकता, कौशल विकास जैसी सामाजिक गतिविधियों को लेकर शनिवार को सेमिनार का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के बतौर मुख्य अतिथि प्राचार्य डॉ. एके खरे तथा विशिष्ट अतिथि हिन्दी विभागाध्यक्ष डॉ. अनसूया अग्रवाल, राजनीति विज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ. मालती तिवारी, डॉ. दुर्गावती भारतीय, मनोविज्ञान विभागाध्यक्ष वैशाली गौतम हिरवे, प्रमिला उपस्थित थीं। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा सरस्वती माता की पूजा-अर्चना कर किया गया। मुख्य अतिथि डॉ. खरे ने सफल आयोजन की बधाई देते हुए कहा कि सेमिनार केवल आयोजन नहीं है, बल्कि छात्राओं के व्यक्तित्व निखारने का अवसर हैं। उन्होंने कौशल विकास की जानकारी दी। डॉ. अनसूया अग्रवाल ने आजीविका के संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि आज यहां पढ़ाई करने वाले सभी छात्र-छात्राओं को किसी न किसी स्तर में अपना जीवन यापन करने के लिए जीविकोपार्जन का साधन चुनना पड़ता है। आज स्वरोजगार बेरोजगारी दूर करने का अति उत्तम विकल्प है, जिससे देश की उन्नति भी होती है। इस अवसर पर प्रकाश साहू, हिमांशु चंद्राकर, भरत ध्रुव, सिद्धांत, चंचल, प्रियंका चंद्राकर, अनामिका, रजनी साहू, ममता, अंजुम फातिमा सहित समाजशास्त्र द्वितीय और चतुर्थ सेमेस्टर के समस्त छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

आयोजन... उपस्थित प्राचार्य, प्राध्यापक एवं छात्र-छात्राएं।

चेतना के विकास में सहायक सेमिनार

डॉ. मालती तिवारी ने कहा कि ऐसे आयोजन से छात्र-छात्राओं में बुद्धि और चेतना का विकास होता है। डॉ. दुर्गावती भारतीय ने आयोजन की बधाई देते हुए कहा कि सेमिनार में जो विषय आपको मिलता है और उसमें चर्चाएं होती है उससे परीक्षा की तैयारी भी होती है। वैशाली गौतम हिरवे ने कहा कि ऐसे आयोजन का उद्देश्य बच्चों को अवसर प्रदान करना होता है, जिससे कि वे अपने कठिन समय भी सरलता से निकाल सकें। प्रमिला महिरवार ने सभी छात्र-छात्राओं को शुभकामनाएं दीं। समाजशास्त्र विभागाध्यक्ष डॉ. जया ठाकुर ने आभार प्रदर्शन करते हुए कहा कि सेमिनार कराने का उद्देश्य केवल नंबर लेना या परीक्षा में पास होना नहीं होता, बल्कि इसमें छात्राओं के बौद्धिक स्तर की परख होती है। विभिन्न विभागों के विद्वानों द्वारा बताई गई नई-नई ज्ञान की बातें सीखने को मिलती है। विभिन्न विषयों से जुड़े प्रश्नों का उत्तर मिलता है। कार्यक्रम का संचालन चतुर्थ सेमेस्टर की छात्रा चितेश्वरी साहू ने किया।

10 नईदुनिया
रायपुर, मंगलवार 04 दिसंबर 2018

सफल अवलोकनकर्ता के लिए भाषा, रीति-रिवाज व परंपराओं की जानकारी जरूरी

कॉलेज के समाजशास्त्र विभाग में व्याख्यान का आयोजन

महासमुंद। नईदुनिया न्यूज

शासकीय महाप्रभु वल्लभाचार्य स्नातकोत्तर महाविद्यालय महासमुंद के समाजशास्त्र विभाग में व्याख्यान का आयोजन किया गया। इसमें विषय विशेषज्ञ सुधांशु दीवान सहायक प्राध्यापक शासकीय खेल कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय बागबाहरा ने कहा कि सफल अवलोकनकर्ता के लिए आवश्यक है कि उसे अपने अध्ययन समूह के लोगों की भाषा रीति-रिवाज व्यवहार प्रथाओं एवं परम्पराओं की पूर्ण जानकारी हो।

व्याख्यान में उपस्थित प्राध्यापक। फोटो : नईदुनिया

व्याख्यान को सुनते छात्र-छात्राएं। फोटो : नईदुनिया

सर्वप्रथम प्राचार्य डॉ. एसके चटर्जी ने सरस्वती मां पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इसके पश्चात पुष्पगुच्छ से अतिथियों का स्वागत किया गया। प्राचार्य चटर्जी ने कहा कि स्नातकोत्तर कक्षाओं में व्याख्यान, सेमिनार का विशेष महत्व है। विषय विशेषज्ञों द्वारा दिए गए व्याख्यान विद्यार्थियों के लिए लाभदायक होते हैं। विभागाध्यक्ष डॉ. जया ठाकुर ने अनुसंधान में सहभागी अवलोकन के महत्व की चर्चा की।

विषय विशेषज्ञ सुधांशु दीवान ने अवलोकन एवं सहभागी अवलोकन से हुए अध्ययनों पर प्रकाश डाला। अवलोकन विधि में मानव इंद्रियों का प्रयोग विशेष रुप से किया जाता है। सहभागी अवलोकन करने के लिए अवलोकनकर्ता उस समूह या समुदाय में जाकर रहने लगता है और उस समुदाय का सदस्य बन जाता है। व्याख्यान में डॉ. अनसूया अग्रवाल, डॉ. रीता पांडे, सीमा रानी प्रधान उपस्थित थे। प्रमिला महिलवार मानसेवी सहायक अध्यापक ने आभार प्रदर्शन किया।

सामाजिक समस्याओं का समाधान सामूहिक रूप से ही संभवः डॉ. कुजूर

शासकीय महाप्रभु वल्लभाचार्य पीजी कॉलेज में समाजशास्त्र विभाग का व्याख्यान आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महासमुंद

शासकीय महाप्रभु वल्लभाचार्य पीजी कॉलेज में विगत दिनों समाजशास्त्र विषय में व्याख्यान का आयोजन किया गया। विषय विशेषज्ञ के रूप में एसोसिएट प्रोफेसर डा निस्तार कुजूर (समाजशास्त्र अध्ययन शाला रायपुर) उपस्थित रहे। सर्वप्रथम मा सरस्वती के पूजा-अर्चना पश्चात अतिथियों का पुष्पगुच्छ से स्वागत किया गया। प्राचार्य डा एसके चटर्जी ने अपने उद्बोधन में छात्र-छात्राओं को व्याख्यान के लिए शुभकामनाएं दी। विभागाध्यक्ष डा जया ठाकुर ने कहा कि व्यक्ति और समाज का अटूट संबंध होता है, जो समाज जितना अधिक गतिशील और परिवर्तनशील होता उतना ही समाज के सामने सामाजिक समस्याएं आती है।

विषय विशेषज्ञ डा निस्तार कुजुर ने सामाजिक समस्याओं पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया।

उन्होंने कहा कि सामाजिक समस्या वह स्थिति है, जिसमें समाज का एक बड़ा वर्ग प्रभावित होता है और ऐसे हानिकारक परिणाम हो सकता है कि जिसका समाधान सामूहिक रूप से ही संभव है। सामाजिक समस्याओं का दायित्व सामाजिक है उसके निवारण के लिए एक सामूहिक उपागम की आवश्यकता होती है। छग में नक्सलवाद, मानव तस्करी, विस्थापन (पलायन) प्रमुख सामाजिक समस्याएं है। विस्थापन के संबंध में उन्होंने कहा कि खनिज पदार्थों के खनन से, बांध व एनीकट निर्माण से, विकास परियोजना के कारण एवं रोजगार की तलाश में पलायन होता है। सामाजिक समस्याओं का सामाजिक स्तर पर ही समाधान किया जा सकता है। इस अवसर पर छात्र-छात्राएं और महाविद्यालयीन प्राध्यापकगण उपस्थित रहे। कार्यक्रम का आभार प्रदर्शन मानसेवी सहायक प्राध्यापक प्रमिला महिलवार ने किया।

दिनांक
डॉ० — डॉ० निस्तार कुजुर

कार्यालय प्राचार्य, शासकीय महाप्रभु वल्लभाचार्य स्नातकोत्तर, महाविद्यालय, महासमुन्द (छत्तीसगढ़)

College Code- 1401 Email - pgcollege.mahasamund@gmail.com, Phone- (07723) 222027

क्रमांक / 242 /2019 महासमुन्द, दिनांक 01 /02/2019

प्रति,

श्री सतीश जायसवाल जी,
सुप्रसिद्ध कथाकार,
बिलासपुर (छ.ग.)

--::--

शासकीय महाप्रभु वल्लभाचार्य स्नातकोत्तर महाविद्यालय, महासमुंद के स्नातकोत्तर हिन्दी विभाग द्वारा आयोजित व्याख्यानमाला कार्यक्रम श्रृंखला के अन्तर्गत दिनांक 06.02.2019 को प्रातः 11:30 को "छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक संरचना" विषय पर आपके द्वारा व्याख्यान दिया जाना है। अतः आप समय 11:15 बजे सादर आमंत्रित है।

01/02/2019
(डॉ. अनुसुईया अग्रवाल, डी.लिट्.)
संयोजक
प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष हिन्दी

(डॉ. एस.के. चटर्जी)
प्राचार्य
शासकीय महाप्रभु वल्लभाचार्य स्नातकोत्तर
महाविद्यालय, महासमुन्द (छ.ग.)

MVPG_2018

कार्यालय प्राचार्य, शासकीय महाप्रभु वल्लभाचार्य स्नातकोत्तर,
महाविद्यालय, महासमुन्द (छत्तीसगढ़)
Email - pgcollege.mahasamund@gmail.com, Phone- (07723) 222027

दिनांक 06 / 02 / 2019

:: सूचना ::

आज दिनांक 06.02.2019 को प्रातः 11:30 बजे राष्ट्रीय स्तर के सुप्रसिद्ध कथाकार श्री सतीश जायसवाल जी का "छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक संरचना" विषय पर कक्ष क्र. 02 में व्याख्यानमाला आयोजित किया गया जिसमें निम्नानुसार अधिकारी/कर्मचारी की गरिमामयी उपस्थिति रही।

1. श्री सतीश जायसवाल
2. डॉ. एस.के. चटर्जी (प्राचार्य)
3. डॉ. अनुसुईया अग्रवाल (संयोजक) 06/02/2019
4. डॉ. दुर्गावती भारतीय
5. श्रीमती सीमारानी प्रधान
6. डॉ. जीवन चंद्राकर
7. श्री एस.बरवा
8. श्री अजय कुमार राजा
9. श्री राजेश शर्मा
10. नीरज गजेंद्र
11. डॉ० ऊषा ठाकुर Thakur
12. एम. आर. धीवर
13. आकाश बाघमारे
14. डॉ. नीलम अग्रवाल
15. Dr. S. B. Kumar
16. S. R. Mannade
17. जी. एल. ठाकुर
18. VED Dewangan
19. Dr. E. P. Chelak
20. Renuka
21. Duleshwar Thakur
22. P.G. Bansod
23. Smt Karuna Dubey
24. Manju Ku. Patel
25. Karaljeet Kaur
26. Mukesh Sinha
27. Ashish yadav
28. Rishabh Sahu
29. Padmani Bhoi
30. [illegible]
31. Himani pal
32. chaman Lal
33. Teekam Sahu

06/02/2019
(डॉ. अनुसुईया अग्रवाल, डी. लिट्.)
कार्यक्रम संयोजक
प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष हिन्दी

(डॉ. एस.के. चटर्जी)
प्राचार्य
शासकीय महाप्रभु वल्लभाचार्य स्नातकोत्तर
महाविद्यालय, महासमुन्द (छ.ग.)

नईदुनिया सिटी
सरायपाली – बसना – पिथौरा – बागबाहरा – खरियार रोड
रायपुर, गुरुवार 07 फरवरी 2019

भाषा के विकास के साथ संस्कृति का भी विकास

पीजी कॉलेज में छत्तीसगढ़ के प्रसिद्ध कथाकार सतीश जायसवाल का हुआ व्याख्यान

व्याख्यान कार्यक्रम में उपस्थित अतिथि गण। फोटो : नईदुनिया

महासमुंद। नईदुनिया न्यूज

शासकीय महाप्रभु वल्लभाचार्य महाविद्यालय महासमुंद में हिन्दी परिषद स्नातकोत्तर के संयोजन में व्याख्यान का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता पूर्व अध्यक्ष पदुमलाल बख्शी सृजन पीठ भिलाई सतीश जायसवाल थे। व्याख्यान का विषय छत्तीसगढ़ की संस्कृति संरचना था।

कार्यक्रम में प्राचार्य डॉ. एसके चटर्जी, विभागाध्यक्ष हिंदी डॉ. अनसूया अग्रवाल, पत्रकार नीरज गजेन्द्र, विभागाध्यक्ष समाजशास्त्र डॉ. जया ठाकुर उपस्थित थी। कार्यक्रम का प्रारंभ माता सरस्वती की पूजा-अर्चना से हुआ। डॉ. अग्रवाल ने सतीश जायसवाल का परिचय देते हुए उनके साहित्य में योगदान पर प्रकाश डाला। सभ्यता एवं संस्कृति के संबंधों पर विस्तृत प्रकाश डाला गया। प्राचार्य डॉ. चटर्जी ने स्वयं के पत्रकारिता के अनुभव पर बताया। साहित्य अच्छा, बुरा की पहचान कराता है। मुख्य वक्ता जायसवाल ने सभ्यता एवं असभ्यता पर विस्तृत चर्चा करते कहा कि भाषा के विकास के साथ संस्कृति का भी विकास होता है। छत्तीसगढ़ी संस्कृति समावेशी संस्कृति है, जो तोड़ने में विश्वास नहीं करती है, वह जोड़ने में विश्वास करती है। छत्तीसगढ़ी संरचना का विस्तृत विवरण छात्रों के सामने रखा। सहायक प्राध्यापक हिंदी डॉ. दुर्गावती भारतीय, सहायक प्राध्यापक हिंदी सीमारानी प्रधान, सहायक प्राध्यापक भौतिकी मनीराम धीवर, अतिथि प्राध्यापक डॉ. जीवन चंद्राकर, आकाश बघमारे उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन सीमारानी प्रधान एवं आभार-प्रदर्शन डॉ. भारतीय ने किया। कार्यक्रम में पूनम यादव, प्रमोद साहू, कल्याणी साहू, अंजू चक्रधारी, खोमेश्वरी साहू, अन्य संकाय के छात्र-छात्राएं बड़ी संख्या उपस्थित थे।

प्राचार्य
शासकीय महाप्रभु वल्लभाचार्य स्नातकोत्तर
महाविद्यालय, महासमुन्द (छ.ग.)

डॉ. अनुसुईया अग्रवाल
एम.ए., पीएच.डी., डी.लिट्.
प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष हिन्दी
शा.म.व. स्नातकोत्तर महाविद्यालय
महासमुन्द (छत्तीसगढ़) ...93-445

कार्यालय प्राचार्य, शासकीय महाप्रभु वल्लभाचार्य स्नातकोत्तर, महाविद्यालय, महासमुन्द (छत्तीसगढ़)

College Code- 1401 Email - pgcollege.mahasamund@gmail.com, Phone- (07723) 222027

क्रमांक / 422 / 2019 महासमुन्द, दिनांक 21 / 02 / 2019

प्रति,

डॉ. राजेश दुबे,
प्रचार्य, शासकीय नवीन महाविद्यालय, खरोरा
जिला – रायपुर (छ.ग.)

—::—

शासकीय महाप्रभु वल्लभाचार्य स्नातकोत्तर महाविद्यालय, महासमुंद के स्नातकोत्तर हिन्दी विभाग द्वारा आयोजित व्याख्यानमाला कार्यक्रम श्रृंखला के अन्तर्गत दिनांक 21.02.2019 को प्रातः 12:30 को **"हिन्दी साहित्य – समकालीन स्वरूप"** विषय पर आपके द्वारा व्याख्यान दिया जाना है। अतः आप समय 12:30 बजे सादर आमंत्रित है।

20/02/2019
(डॉ. अनुसुईया अग्रवाल, डी.लिट्.)
संयोजक
प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष हिन्दी

20/02/2019
प्र. प्राचार्य
PRINCIPAL
Govt. M.V P.G. College
MAHASAMUND (Chhattisgarh)

कार्यालय प्राचार्य, शासकीय महाप्रभु वल्लभाचार्य स्नातकोत्तर, महाविद्यालय, महासमुन्द (छत्तीसगढ़)

Email - pgcollege.mahasamund@gmail.com, Phone- (07723) 222027

दिनांक 21/ 02/2019

:: सूचना ::

आज दिनांक 21.02.2019 को समय 12:30 बजे डॉ. राजेश दुबे, प्राचार्य शासकीय नवीन महाविद्यालय, खरोरा का "हिन्दी साहित्य - समकालीन स्वरूप" विषय पर कक्ष क्र. 01 में व्याख्यानमाला आयोजित किया गया जिसमें निम्नानुसार अधिकारी/कर्मचारी की गरिमामयी उपस्थिति रही।

1. डॉ. राजेश दुबे
2. डॉ. माया वर्मा
3. डॉ. शैल शर्मा
4. डॉ. अनुसुईया अग्रवाल 21/02/2019
5. डॉ. दुर्गावती भारतीय
6. श्रीमती सीमारानी प्रधान
7. डॉ. जीवन चंद्राकर
8. सुरेखा साहू
9. प्रीतम पटेल
10. आलोक पटेल
11. योगेश्वर नायक
12. मोहर तिवारी
13. पुनम कुमारी यादव
14. कल्याणी साहू
15. तेजराम पुरंशी TEJ RAM
16. किरण ध्रुव
17. ओमकुमारी
18. चित्ररेखा खड़िया
19. गीतिका साहू
20. रविमिन्नरी साहू
21. लता चन्द्रधारी
22. अंजु चन्द्रधारी
23. टिकेश्वर साहू
24. प्रसन्न कुमार राने
25. श्रीमति चन्द्राकर
26. पूर्णिमा साहू
27. राजेश शर्मा
28. Dukeshwar Thakur
29. Kritika Nelam
30. के. कु. खरे

21/02/2019

PRINCIPAL

Govt. M.V.P.G. College

MAHASAMUND (Chhattisgarh)

'गंभीर आलोचक और समीक्षक के रूप में हमेशा अविस्मरणीय रहेंगे नामवर सिंह'

महासमुंद। नईदुनिया न्यूज

शासकीय महाप्रभु वल्लभाचार्य स्नानतकोत्तर महाविद्यालय महासमुंद में हिंदी विभाग के संयोजन में स्मृति शेष नामवर सिंह की स्मृति में व्याख्यान माला का आयोजन किया गया। आयोजन का विषय हिंदी साहित्य-समकालीन संदर्भ रहा। मुख्य वक्ता डॉ. राजेश दुबे प्राचार्य शासकीय नवीन महाविद्यालय खरोरा थे। पंडित रविशंकर शुक्ल विवि रायपुर से डॉ. माया वर्मा, अध्यक्ष साहित्य एवं भाषा अध्ययन शाला पंडित रविशंकर शुक्ल विवि रायपुर डॉ. शैल शर्मा उपस्थित थे।

कार्यक्रम का शुभारंभ डॉ. अनसूया अग्रवाल प्रभारी प्राचार्य एवं विभागाध्यक्ष हिंदी के स्वागत भाषण से हुआ। मुख्य

पीजी कॉलेज में व्याख्यान माला का आयोजन

वक्ता डॉ. राजेश दुबे हिंदी साहित्य समकालीन संदर्भ के बारे में बताते हुए कहा कि साहित्य से देशकाल वातावरण एवं वहां की मनोदशा से परिचय होता है। यह परिचय सच्चे रूप में समीक्षक ही कराता है। किसी भी साहित्य वर्तमान एवं भविष्य को किस प्रकार प्रभावित करता है, भूत से क्या ग्रहण करता है, यह समीक्षा का महत्वपूर्ण भाग है। नामवर सिंह हिंदी साहित्य के अनन्य सेनी थे। उनका जाना एक युग का अवसान है। वे गंभीर आलोचक और समीक्षक के रूप में हमेशा अविस्मरणीय रहेंगे। कार्यक्रम में डॉ. माया वर्मा ने सभी छात्रों को बताया कि साहित्य का जीवन में क्या महत्व है। डॉ. शैल शर्मा ने भाषा की शुद्धता को ध्यान में रखकर प्रयोग करने पर बल दिया।

डॉ. अनसूया अग्रवाल विभागाध्यक्ष हिंदी ने मुख्य वक्ता डॉ. राजेश दुबे के साथ विशिष्ट वक्ताओं का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा नामवर सिंह की समीक्षा साहित्य को समझने की दृष्टि देती है। उनका देहावसान साहित्य जगत का अपूरणीय क्षति है। कार्यक्रम का संचालन डॉ. दुर्गावती भारतीय सहायक प्राध्यापक हिंदी ने किया। इस अवसर पर हिंदी विभाग से सीमारानी प्रधान सहायक प्राध्यापक एवं डॉ. जीवन चंद्राकर सहायक प्राध्यापक के साथ के छात्र -छात्राएं उपस्थित थे।

डॉ. अनुसुईया अग्रवाल
एम.ए., पीएच.डी., डी.लिट्.
प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष हिन्दी
शा.म.व. स्नातकोत्तर महाविद्यालय
महासमुन्द (छत्तीसगढ़) 493 445

महासमुंद • बागबाहरा • पिथौरा • बसना • सरायपाली

नवभारत

रायपुर
शुक्रवार
19 जुलाई, 2019

महिलाओं के विरूद्ध बढ़ते अपराध पर व्याख्यान

■ कार्यालय द्वारा। महासमुंद.

शासकीय महाप्रभु वल्लभाचार्य स्नातकोत्तर महाविद्यालय, के समाजशास्त्र विभाग में श्रीमती शारदा जैन, सहायक प्राध्यापक शा. छग. महाविद्यालय, रायपुर द्वारा महिलाओं के विरूद्ध बढ़ते अपराध पर व्याख्यान दिया गया. उन्होंने कहा महिलाएँ किसी भी अपराध की शिकार हो सकती है. जैसे - बालात्कार, अपहरण एवं भगा कर ले जाना, दहेज के कारण हत्या, शारीरिक उत्पीड़न अथवा पत्नी को पीटना, शारीरिक छेड़छाड़, यौनाचार, विधवा या बड़ी उम्र की महिला के साथ दुर्व्यव्हार (घरेलू हिंसा के सभी मामले) पत्नी या बहू को भ्रूण हत्या के लिए बाध्य करना महिलाओं का अभद्र प्रदर्शन आदि किसी महिला से प्रत्यक्ष या परोक्ष बल प्रयोग करके कुछ लेना जो वह स्वेच्छा से नही देना चाहती तथा जिससे उस महिला को शारीरिक आघात या भावनात्मक धक्का या दोनो ही लगे यह महिलाओं के विरूद्ध अपराध है. दहेज मृत्यु की दर में भी प्रतिवर्ष वृद्धि हो रही है. मुख्य रूप से भारत में दहेज न देने या कम दहेज देने के कारण बहुओं को जलाने की हो या आत्महत्या की घटनाएं दर्ज होती है. डॉ. जया ठाकुर ने कहा कि छेड़छाड़ एवं बलात्कार को एक गम्भीर समस्या के रूप में देखा जाना चाहिए, क्योंकि यह पीड़ित महिलाओं के व्यक्तित्व को गम्भीर नुकसान पहुँचाता है. इसलिए महिलायें सजग हो, सबल हो एवं जागरूक बने. व्याख्यान में डॉ. रीता पाण्डेय, डॉ. नीलम अग्रवाल, डॉ. दुर्गावती भारतीय, डॉ. वैशाली गौतम हिरवे एवं एम.ए. समाजशास्त्र द्वितीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर की छात्र-छात्रायें उपस्थित थे. आभार प्रदर्शन डॉ. जया ठाकुर ने किया. यह जानकारी कॉलेज की विज्ञप्ति में दी.

"डॉ० रीता पाण्डेय, डॉ० नीलम अग्रवाल, डॉ० जया ठाकुर
श्रीमती शारदा जैन, डॉ० दुर्गवति भारतीय, डॉ० वैशाली हिरवे"

रायपुर, बुधवार 13 अक्टूबर 2021
haribhoomi.com

समाजशास्त्र विभाग में रिसर्च मेथाडोलॉजी पर व्याख्यान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महासमुंद

शासकीय महाप्रभु वल्लभाचार्य पीजी कॉलेज में समाजशास्त्र विभाग में अनुसंधान रिसर्च मेथाडोलाजी पर व्याख्यान हुआ। मुख्य अतिथि डा हेमलता बोरकर सहायक प्राध्यापक समाजशास्त्र अध्ययन शाला पंडित रविशंकर शुक्ल विवि रायपुर ने सर्वप्रथम मां सरस्वती की पूजा अर्चना की। समाजशास्त्र विभाग की विभागाध्यक्ष डा जया ठाकुर ने बुके से स्वागत किया। डा जया ठाकुर ने कहा कि समाजशास्त्र के विद्यार्थियों को समाजिक समस्याओं पर शोध कार्य करना चाहिए। डा हेमलता बोरकर ने कहा कि अनुसंधान करने के लिए सर्वप्रथम क्षेत्र की समस्या को ध्यान में रखते हुए विषय का चुनाव एवं संबंधित साहित्य का अध्ययन करना चाहिए। विषय से संबंधित सूचनादाताओं का चयन कर उपकल्पना का निर्माण करें, अनुसंधान के लिए तीन उपकरणों का उपयोग होता है साक्षात्कार अनुसूची, प्रश्नावली, साक्षात्कार मार्गदर्शिका। किस उपकरण का प्रयोग करना है यह सुनिश्चित करें। उपकरण एवं प्रविधि द्वारा तथ्यों का संकलन करें अध्ययनकर्ता को निष्पक्ष एवं पूर्वाग्रह से मुक्त रहना है, तथ्यों का सांख्यिकी विश्लेषण कर निष्कर्ष प्राप्त करें। डॉ बोरकर ने अनुसंधान की बारीकियों, रिसर्च टूल्सटेक्निक एवं पॉलिसी जैसे महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विद्यार्थियों का ध्यान आकर्षित किया। इस अवसर पर डा रीता पांडे, डा दुर्गावती भारती, राजेश्वरी सोनी उपस्थित थे। संचालन प्रिंस चक्रधारी एवं आभार प्रदर्शन डा रीता पांडे विभागाध्यक्ष इतिहास ने किया।

आज 22 नवम्बर 2021 की कार्यशाला मे महासमुन्द जिले के इतिहास एवं पुरातत्व के संरक्षण के लिए हमे काम करने की आवश्यकता सभी इतिहास वेत्ताओं से अपेक्षा की महासमुन्द के इतिहास को ढूंढ कर स्थापित करें।

वक्ता
(श्री विजय शर्मा)
प्रधान पाठक एवं
पुरातत्वविद्,
आमाखान

उपरोक्त व्याख्यान में खुसरमारगढ़ राजपरिवार के जनपत्य आदरणीय श्रियेन्द्र प्रताप सिंह की उपस्थिति थी। उन्होंने विद्यार्थियों को खुसरमारगढ़ आने को आमंत्रित किया। विद्यार्थी उनसे मिलकर लाभान्वित हुए। उस अवसर पर महाविद्यालय परिवार से
डॉ. अनुसुईया अग्रवाल विभागाध्यक्ष हिन्दी
डॉ. जया ठाकुर विभागाध्यक्ष समाजशास्त्र
डॉ. मालती तिवारी विभागाध्यक्ष राजनीतिशास्त्र
डॉ. वैशाली गौतम द्विवेदी विभागाध्यक्ष मनोविज्ञान
श्री जी. बलवी विभागाध्यक्ष अंग्रेजी
डॉ. नीलम अग्रवाल विभागाध्यक्ष अर्थशास्त्र
डॉ. दुर्गावती भारतीय सहा. प्राध्यापक हिन्दी
कु. मृणाली चन्द्राकर अतिथि व्याख्याता एवं एम.ए. प्रथम एवं तृतीय सेमेस्टर इतिहास विभाग के विद्यार्थी उपस्थित थे।

/11/2021
डॉ. सीता पाण्डेय
विभागाध्यक्ष - इतिहास
शासकीय महाप्रभु वल्लभाचार्य
[illegible] महासमुन्द (छ.ग.)

हरिभूमि
महासमुंद भूमि
रायपुर, बुधवार 24 नवंबर 2021
सरायपाली | बसना | पिथौरा | बागबाहरा | तुमगांव | खरियार रोड

महाविद्यालय में सुअरमारगढ़ जमींदारी के इतिहास पर व्याख्यान का कार्यक्रम

सुअर समझकर हाथी मारने से मिला सुअरमारगढ़ राज्य का नाम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महासमुंद

शासकीय महाप्रभु वल्लभाचार्य स्नातकोत्तर महाविद्यालय के इतिहास विभाग द्वारा सुअरमारगढ़ जमींदारी के इतिहास पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विजय कुमार शर्मा प्रधान पाठक एवं पुरातत्वविद, विशिष्ट अतिथि सुअरमार गढ़ राजपरिवार के सदस्य श्रीयेन्द्र प्रताप सिंह थे। कार्यक्रम का प्रारंभ मां सरस्वती के पूजन से प्रारंभ हुआ। एमए प्रथम एवं तृतीय सेमेस्टर इतिहास के विद्यार्थी, रेशमा, खिलेश्वरी, करिश्मा, प्रियंका, मीनाक्षी, कविता द्वारा सरस्वती वंदना एवं राजकीय गीत प्रस्तुत किया गया। इतिहास विभाग का प्रतिवेदन डॉ रीता पांडे विभागाध्यक्ष इतिहास ने प्रस्तुत किया। मृणाली चंद्राकर अतिथि व्याख्याता इतिहास द्वारा मुख्य अतिथि का परिचय प्रस्तुत किया गया।

विषय पर प्रकाश डालते हुए विजय कुमार शर्मा ने कहा की छत्तीसगढ़ के धरोहरों को सरक्षण एवं संवर्धन की आवश्यकता है। कोमाखान रियासत में, पर्यटन की संभावनाओं पर भी विचार व्यक्त किए। सुअरमारगढ़ जमींदारी के इतिहास पर विस्तृत प्रकाश डालते हुए कहा कि फुलझर के डुंडीशाह एवं कोहगी शाह दो वीर भाइयों द्वारा सुअर समझ कर हाथी को मारने एवं नर्रा के जमीदार को पराजित करने पर गढ़पटना के राजा ने सुनाई डोंगरी के 84 गांव वीरता स्वरूप प्रदान किए। वह क्षेत्र सुअरमारगढ़ के नाम से जाना जाता है। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि सुअरमारगढ़ जमींदारी राजपरिवार के सदस्य श्रीयेन्द्र प्रताप सिंह ने कहा कि छत्तीसगढ़ का इतिहास अत्यंत गौरव पूर्ण है। सुअरमारगढ़ के राजमहल को संरक्षित करने की आवश्यकता है। डा अनुसूया अग्रवाल विभागाध्यक्ष हिंदी ने कहा कि प्रतियोगी परीक्षाओं में छत्तीसगढ़ के इतिहास का बहुत

महत्वपूर्ण योगदान होता है, विद्यार्थियों के लिए व्याख्यान अत्यंत लाभदाई होगा। डॉ जया ठाकुर विभागाध्यक्ष समाज शास्त्र ने कहा कि ज्ञान अर्जन में कभी पीछे नहीं हटना चाहिए ज्ञान की कोई सीमा नहीं है। डा मालती तिवारी विभागाध्यक्ष राजनीति शास्त्र कहा कि अतीत की महत्वपूर्ण घटनाएं वर्तमान को प्रभावित करती है, इसलिए इतिहास विषय का अपना महत्व है। डा नीलम अग्रवाल, विभागाध्यक्ष अर्थशास्त्र ने कहा कि यह महत्वपूर्ण अवसर है, जब विद्यार्थियों को विषय विशेषज्ञ द्वारा जिनके द्वारा स्वयं सूअरमारगढ़ जमींदारी पर किताब लिखी है उनके स्वयं का व्याख्यान विद्यार्थियों के लिए अत्यंत प्रासंगिक होगा। प्राचार्य डॉ ज्योति पाण्डेय ने अतिथियों से मिलकर प्रसन्नता जाहिर की और कहा कि छत्तीसगढ़ जिले में शोध की अपार संभावनाएं हैं एवं शोध निरंतर होते रहना चाहिए, जिससे नए नए तथ्य सामने आएंगे। कार्यक्रम में डॉ वैशाली गौतम हिरवे, विभागाध्यक्ष मनोविज्ञान सी खलखो, डॉ. दुर्गावती भारती, सीमा रानी प्रधान सहायक प्राध्यापक हिन्दी, दीपा सोनकर उपस्थित थे। इस मौके पर इतिहास परिषद का गठन किया गया। इसमें अध्यक्ष दुर्गा साहू, उपाध्यक्ष सरस्वती सिंह ठाकुर, सचिव ठलेश कुमार साहू, सहसचिव माया दीवान, कोषाध्यक्ष रेशमा खान, मीडिया प्रभारी प्रियंका यादव, सलाहकार सदस्य हूलसी साहू एवं लालू सोनवानी सांस्कृतिक प्रभारी खिलेश्वरी मनोनीत किए गए। एमए तृतीय सेमेस्टर के विद्यार्थियों द्वारा प्रथम सेमेस्टर के विद्यार्थियों का स्वागत एवं चतुर्थ सेमेस्टर के विद्यार्थियों के लिए विदाई समारोह का आयोजन भी किया गया। महाविद्यालय परिवार ने मनोनीत पदाधिकारियों को शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम का संचालन ठलेश साहू एवं आभार प्रदर्शन बसंती ने किया।

महासमुंद/धमतरी जिला हरिभूमि

रायपुर, गुरुवार 24 फरवरी 2022
haribhoomi.com

समाजशास्त्र में कॅरियर सुनिश्चित करने की अपार संभावनाएं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महासमुंद

समाजशास्त्र विभाग में व्याख्यान शासकीय महाप्रभु वल्लभाचार्य स्नातकोत्तर महाविद्यालय महासमुंद के समाज शास्त्र विभाग में समाजशास्त्र में संभावनाएं विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। मां सरस्वती की पूजा अर्चना उपरांत डॉ सीएल साहू विभागाध्यक्ष समाजशास्त्र सेठ फूलचंद अग्रवाल महाविद्यालय राजिम का विभागाध्यक्ष समाजशास्त्र डॉक्टर जया ठाकुर ने पुष्पगुच्छ से स्वागत किया। उन्होंने कहा कि समाजशास्त्र विषय पढ़ने वाले विद्यार्थी अधिक व्यवहार कुशल होते हैं, वह सामाजिक समस्याओं का समाधान सरलता से कर लेते हैं। डॉ सीएल साहू ने कहा कि समाजशास्त्र में कॅरियर सुनिश्चित करने की अपार संभावनाएं हैं, समाजशास्त्र कार्य प्रणालियों को समझने में एक ठोस आधार प्रदान करता है। ताकि, विद्यार्थियों में विकसित कौशल का उपयोग विभिन्न प्रकार के कैरियर निर्माण में किया जा सके। विश्वविद्यालय में शोध कार्य और शिक्षण एक अच्छा विकल्प होता है। समाजशास्त्र के छात्रों के लिए लेखन स्वतंत्र पत्रकारिता में बहुत संभावनाएं है। इस अवसर पर डॉ अनुसूया अग्रवाल, डॉ दुर्गावती भारती, वैशाली हिरवे, सीमा रानी आदि उपस्थित रहे। आभार प्रदर्शन दीपा सोनकर ने किया।

96

इतिहास विभाग में आख्यान दिनांक 19/11/2022
वक्ता — डॉ० एस० एस० तिवारी, विभागाध्यक्ष इतिहास
चन्द्रपाल डड़सेना शास० महावि० पिथौरा

हरिभूमि
महासमुंद भूमि
रायपुर, रविवार 20 नवंबर 2022
[सरायपाली | बसना | पिथौरा | बागबाहरा | तुमगांव | खरियार रोड]

इतिहास में तथ्य एवं उसकी व्याख्या दोनों महत्वपूर्ण

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महासमुंद

शासकीय महाप्रभु वल्लभाचार्य स्नातकोत्तर महाविद्यालय में इतिहास विभाग द्वारा प्रभारी प्राचार्य डॉ ईपी चेलक, इतिहास विभागाध्यक्ष डॉ रीता पांडे के संयोजन में व्याख्यान का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का प्रारंभ सरस्वती पूजन से हुआ। सरस्वती वंदना कुमारी प्रज्ञा ठाकुर एवं श्रद्धा साहू के द्वारा प्रस्तुत किया गया। अतिथियों के स्वागत पश्चात प्रतिवेदन पठन प्रस्तुत करते हुए डॉ रीता पांडे ने व्याख्यान के उद्देश्य एवं विषय पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इतिहास में तथ्य एवं उसकी व्याख्या दोनों महत्वपूर्ण होती है, इतिहासकार की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी होती है कि तथ्यों की निष्पक्ष व्याख्या कर जनमानस के समक्ष प्रस्तुत करें।

एमए प्रथम एवं तृतीय सेमेस्टर के विद्यार्थियों के लिए बहुत उपयोगी साबित होगा। व्याख्यान के मुख्य वक्ता डॉ एसएस तिवारी विभागाध्यक्ष इतिहास शासकीय चंद्रपाल ... व्याख्या विषय पर व्याख्यान देते हुए बताया कि तथ्य इतिहास की आत्मा होते हैं, ऐतिहासिक तथ्य पुस्तकों पांडुलिपियों शिलालेखों आदि में प्रचूर मात्रा से उपलब्ध होते हैं, जो ठोस, कठोर एवं यथार्थ के निकट होता है। और ऐतिहासिक तथ्यों को इतिहासकार ना बढ़ा सकता है ना घटा सकता है। इतिहासकार केवल उन्हीं तथ्यों को स्वीकार करता है, जिसका संबंध वर्तमान से हो। तथ्य के बिना इतिहास अधूरा है। सभी तथ्य ऐतिहासिक नहीं होते इतिहासकार जिन तथ्यों को स्वीकार करें उसे ऐतिहासिक तथ्य कहा जा सकता है। घटनाएं समाज में रहने वाले मनुष्य के कार्य एवं उपलब्धियों को ऐतिहासिक तथ्य के रूप में स्वीकार किया जाता है। डॉ मालती तिवारी ने कहा कि पाठ्यक्रम से संबंधित विषयों पर व्याख्यान का आयोजन बहुत ही लाभकारी होता है। इस अवसर पर बसंती, मनोहर सोनवानी, तारिणी, हीरा साहू आदि छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन सहायक प्राध्यापक हिंदी सीमा रानी प्रधान ने किया एवं आभार प्रदर्शन अतिथि व्याख्याता इतिहास मृणाली

DEPARTMENTAL SEMINAR

संलग्न–फोटोग्राफ एवं समाचार पत्रों की कटिंग–

कार्यक्रम का नाम – विश्व ओजोन दिवस

ओजोन दिवस पर व्याख्यान का आयोजन

■ कार्यालय द्वारा। महासमुंद.

शासकीय ,महाप्रभु वल्लभाचार्य स्नातकोत्तर महाविद्यालय में सत्र 2017-18 में गठित विज्ञान क्लब ने विश्व ओजोन दिवस पर व्याख्यान कार्यक्रम आयोजित किया गया. व्याख्यान का विषय-ओजोन परत क्षरण का पर्यावरणीय प्रभाव रखा गया था. कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि प्राचार्य डॉ.ए.के.खरे थे. उनका स्वागत स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण को दृष्टिगत रखते हुए विद्यार्थियों के करतल ध्वनि से किया गया मुख्य अतिथि ने अपने उद्बोधन में मानव निर्मित राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर की पर्यावरणीय समस्या पर प्रकाश डालते हुए छात्र-छात्राओं को नयें खोज एवं शोध की प्रवृत्ति के साथ ज्ञानार्जन करने की बात कही.विज्ञान

संकाय प्रभारी प्रो. करूणा दुवे ने वर्षों से लगातार हो रहे ओजोन परत क्षरण को गंभीर एवं चिन्तनीय समस्या बताते हुए कहा कि ओजोन परत का क्षरण मुख्यतया क्लोरो फ्लोरो कार्बन से होता है. जो प्लास्टिक के जलाए जाने एवं रेफ्रिजरेटर के लीक होने से उत्पन्न होती है. इस ओजोन परत क्षरण को रोकने के लिए हमें प्लास्टिक पैकेजिंग के उपयोग को कम करना होगा तथा इसके स्थान पर पेपर पैकेजिंग को बढ़ावा देना होगा. कार्यक्रम का संचालन कर रहें वनस्पति शास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ.ई.पी.चेलक ने ओजन दिवस का इतिहास बताया. तथा विज्ञान संकाय के विद्यार्थी रामनारायण साहू, जिम्मी चन्द्राकर, प्रेम सिंग, सीमा साहू, देवेन्द कुमार साहू, जानकी कोसरे आदि द्वारा विचार रखें गए. विद्यार्थियों ने अपने व्याख्यान में पौधारोपण करने, वृक्षों की कटाई पर रोकने तथा प्लास्टिक पर पूर्ण प्रतिबंध की बात कही. उक्त कार्यक्रम में प्रो.लोकप सतपथी, प्रो.प्रदीप कन्हेर, अतिथि प्राध्यापक अंजन भोई, सिध्दार्थ तिवारी, प्रयोगशाला तकनीशियन सुराज मानकर तथा विज्ञान स्नातक एवं स्नातकोत्तर कक्षाओं के विद्यार्थी उपस्थित थें. यह जानकारी कालेज की विज्ञप्ति में दी.

Govt. MVPG College Mahasamund IQAC

रायपुर, रविवार 5 नवंबर 2017
haribhoomi.com

इतिहास के विद्यार्थियों ने प्रस्तुत किया शोध पत्र

संस्कृति के बदलते स्वरूप पर सेमिनार का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महासमुंद

शासकीय महाप्रभु वल्लभाचार्य स्नातकोत्तर महाविद्यालय में इतिहास विभाग द्वारा गुरुवार को 'भारतीय संस्कृति के बदलते स्वरूप एवं छत्तीसगढ़ की लोक संस्कृति विषय पर सेमिनार का आयोजित की गई। इतिहास एमए प्रथम एवं तृतीय सेमेस्टर के छात्रों ने अपना शोध पत्र प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विभागाध्यक्ष हिन्दी डॉ अनसूया अग्रवाल ने कहा कि संस्कृति के विकास के बाद के चरण को सभ्यता कहा जाता है। मानसिक क्षेत्र में मनुष्य की प्रत्येक उन्नति संस्कृति का अंग है। इसमें धर्म, दर्शन, ज्ञान, विज्ञान तथा प्रथाओं का समावेश होता है। विशिष्ट अतिथि डॉ जया ठाकुर ने कहा कि सभ्यता जैसे-जैसे विकसित होती है। संस्कृति का धारण होता है।डॉ दुर्गावती भारतीय ने कहा कि सेमिनार से व्यक्तित्व का विकास होता है। विषय को महंगाई से समझा जा सकता है। डॉ वैशाली गौतम हिरवे ने कहा कि संस्कृति, जीवन के प्रति हमारा दृष्टिकोण है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए विभागाध्यक्ष इतिहास डॉ रीता पाण्डेय ने कहा कि प्राचीन काल से आधुनिक काल तक भारतीय संस्कृति के मूल्यों में बदलाव आया है। जिसका कारण सभ्यता में तीव्रता से परिवर्तन हो रहा है।

भारतीय संस्कृति की प्रमुख विशेषता विविधता में एकता धर्मिक सहिष्णुता, आध्यात्मिक प्रगति का चिंत्रण, प्रकृति का सम्मान एवं सहयोग रहा है। सहायक प्राध्यापक वाणिज्य राजेश्वरी सोनी ने सेमिनार के महत्व के विषय पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर सरस्वती यादव, लक्ष्मी साहू, दीपांजली वर्मा, शीतल चंद्राकर, कुलेश्वर पेंदरिया, चित्ररेखा, मोनिका, रुपेंद्र, धनेश्वरी, कमलेश्वरी, द्रौपती साहू, पिंकी, भोज कुमारी, एमए तृतीय सेम के विद्यार्थी एवं नेहा नायक, अश्वनी, कुमेश्वरी साहू, कुलवंत, विक्रमदास मानिकपुरी एमए प्रथम सेमेस्टर के छात्रों ने अपना शोध पत्र का वाचन किया।

इस अवसर पर कुणाल चंद्राकर, वर्षा उषा, चंद्राकर, अजय यादव व अमर चंद्राकर उपस्थित थे। आभार प्रदर्शन सहायक प्राध्यापक इतिहास डॉ. शोभना झा ने किया। संस्था प्रमुख प्राचार्य डॉ एके खरे ने सेमिनार में शोधपत्र प्रस्तुत करने वाले विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दी।

21.1.18

आज दिनांक 21.1.18 को एम० ए० समाजशास्त्र द्वितीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर के विद्यार्थियों हेतु व्याख्यान का आयोजन किया गया। श्रीमती शारदा जैन, सहायक प्राध्यापक समाजशास्त्र शास० श्रे० योगानन्दम छत्तीसगढ़ महाविद्यालय, रायपुर ने "भारतीय सामाजिक चिन्तन" पर व्याख्यान दिया।

Thakur

M.A. II sem		M.A. IV sem	
1) रम्भा सिंह	Rambha Singh	1) प्रियंका चन्द्राकर	Priyanka
2) सुषमा सिन्हा	Sinha	2) अंजुम फातमा	A.
3) नागेश्वरी	Dhruw	3) अनामिका साहू	Sah.
4) जगेश्वरी	Jageshwari	4) चंचल गिलहरे	Chanchal
5) लक्ष्मी कोसरे	Laxmi	5) ममता वर्मा	Mamta
6) कुसुमा साहू	कुसुमा	6) रजनी साहू	Rajnee
7) तारामती पाल	Pal	7) पूजा यादव	Pooja
8) कविता साहू	Kavita sahu	8) प्रियंका सिन्हा	Sinha
9) लोकेश्वरी चन्द्राकर	lokeshwari	9) लीना सिन्हा	Sinha
~~10) जगेश्वरी~~	~~Jageshwari~~	10) नूतन पटेल	Nutan Patel
10) अंतरा शर्मा	Antra	11) प्रकाश साहू	Prakash
11) सिद्धांत साहू	सिद्धांत साहू	12) चितेश्वरी साहू	Chitra
12) निखिल चंद्राकर	Nikhil	13) हिमांशु धनगर	Himanshu
13) डिम्पल साहू	Dimpal sahu	14) भरत सिंह ध्रुव	B. Singh
14) चुनेश्वरी साहू	Sahu	15) रुपेन्द्र कुमार साहू	रुपेन्द्र
15) ज्ञानप्रकाश साहू	G. sahu	16) काशी शुक्ला	kanshi shukla
16) गुलबती बंजारे	[illegible]	21) तिकेश्वरी साहू	Tikeshwari
17) मीकरानी	मीकरानी	22) प्रीतम गेन्डरे	Pritam
18) पूजा साहू	P. Sahu	23) विमल बाईशवार	Bais
19) अंजू कुर्मी	Anju		
20) लुकेश्वरी साहू	[illegible]		

नईदुनिया सिटी
महासमुंद
सरायपाली – बसना – पिथौरा – बागबाहरा – खरियार रोड
www.naidunia.com
रायपुर, गुरुवार 15 मार्च 2018

'प्राचीन भारत की राजनीति स्वार्थ रहित आदर्श थी, अब स्तर विसंगत हो गई'

सेमिनार में उपस्थित छात्र-छात्राएं और प्राध्यापकगण। फोटो : नईदुनिया

महासमुंद। नईदुनिया न्यूज

पीजी कॉलेज में 'भारतीय राजनीति की उभरती प्रवृत्तियां' पर सेमिनार

शासकीय महाप्रभु वल्लभाचार्य स्नातकोत्तर महाविद्यालय महासमुंद द्वारा 'भारतीय राजनीति की उभरती प्रवृत्तियां' विषय पर सेमिनार का आयोजन किया गया। सेमिनार के मुख्य अतिथि प्राचार्य डॉ. एके खरे थे।

अध्यक्षता डॉ. एसबी कुमार ने की। विशिष्ट अतिथि डॉ. अनसूया अग्रवाल, डॉ. जया ठाकुर, राजनीतिक विभाग डॉ. मालती तिवारी, एमएस वर्मा, हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. दुर्गावती भारती, राजनीति परिषद अध्यक्ष विजय कुमार मिर्चे, एमए चतुर्थ सेम एवं एमए द्वितीय सेम के छात्र-छात्राएं उपस्थित थे। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों ने मां सरस्वती की पूजा-अर्चना के साथ किया। मुख्य अतिथि प्राचार्य डॉ. एके खरे ने कहा कि संविधान में लिखित सिद्धांतों की मूल्य को प्रत्येक व्यक्ति को अनुसरण करना चाहिए। साथ ही राजनीति विज्ञान में अध्ययन कर रहे छात्र-छात्राओं को शोध-परख तत्वों को मौलिक व्यवहार में परिणित करना चाहिए। डॉ. अग्रवाल ने कहा कि वर्तमान में युवा अपने अधिकार एवं कर्तव्य के प्रति सजग होकर निर्णय क्षमता विकसित करें। डॉ. कुमार ने 1952 के चुनाव से लेकर अब-तक के चुनाव पर 16वीं लोकसभा चुनाव एवं उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी का विस्तारपूर्वक उल्लेख किया।

डॉ. ठाकुर ने कहा कि राजनीति से नारी सशक्तीकरण वर्तमान में सफलता की ओर तीव्र गति से बढ़ रही है। डॉ. मालती तिवारी ने युवाओं को आव्हान करते हुए कहा कि वर्तमान में युवा वर्ग दिशाहीन हो रहे हैं। वे भारतीय राजनीति के विभिन्न पदों पर आसीन होकर देश सेवा की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बढ़ा सकते हैं। डॉ. भारती ने कहा कि प्राचीन भारतीय राजनीति स्वार्थ रहित आदर्श थी। लेकिन, वर्तमान में राजनीति का विसंगत हो गई है। एमए चतुर्थ सेम विजय मिर्चे ने कहा कि आज आदमी से जुड़े मुद्दा, बेरोजगार, अवसर, सुविधा, न्याय, रोजगार और भ्रष्टाचार मुक्त शासन और प्रशासन होना चाहिए। इस अवसर पर सोनम साहू, निकिता देवांगन, [illegible] साहू, मुकेश पटेरिया ने विचार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन एमएस वर्मा एवं आभार प्रदर्शन डॉ. मालती तिवारी ने किया।

ईदुनिया सिटी

सरायपाली - बसना - पिथौरा - बागबाहरा - खरियार रोड

रायपुर, बुधवार 17 अक्टूबर 2018

प्राचीन छत्तीसगढ़ के क्षेत्रीय राजवंशों एवं संस्कृति विषय पर सेमिनार

सभ्यता व संस्कृति दो भिन्न-भिन्न चीजें

महासमुंद। नईदुनिया न्यूज

शासकीय महाप्रभु वल्लभाचार्य स्नातकोत्तर महाविद्यालय में इतिहास विभाग द्वारा मंगलवार को प्राचीन छत्तीसगढ़ के क्षेत्रीय राजवंशों एवं संस्कृति विषय पर सेमिनार का आयोजन किया गया। जिसमें इतिहास एमए प्रथम एवं तृतीय सेमेस्टर के विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया।' कार्यक्रम का प्रतिवेदन पठन विभागाध्यक्ष इतिहास विभाग डॉ. रीता पाण्डेय ने किया। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ के प्रमुख क्षेत्रीय राजवंश राज ऋषि तुल्य, नलवंश, शरभपुरीय वंश, पांडुवंश, सोमवंश, छिन्दक नागवंश, कल्चुरि या हैहयवंश थे। छत्तीसगढ़ में कल्चुरि वंश का महत्वपूर्ण योगदान था।

कल्चुरि राजा राय ब्रह्मदेव नें वर्तमान खल्लारी प्राचीन नाम खल्लवाटिका को अपनी उपराजधानी बनाया था। कार्यक्रम की विशिष्ट अतिथि डॉ. जया ठाकुर विभागाध्यक्ष समाजशास्त्र ने कहा कि सभ्यता एवं संस्कृति दो भिन्न-भिन्न चीजें हैं। सभ्यता भौतिकवादी है। संस्कृति हमें अपनें पूर्वजों की परम्पराओं एवं रीति रिवाजों से प्राप्त होता है। मुख्य अतिथि डॉ. अनसूया अग्रवाल, विभागाध्यक्ष हिन्दी नें कहा कि सेमिनार व्यक्तित्व विकास में सहायक है। विद्यार्थियों को उस विषय का गहन ज्ञान होता है। डॉ. दुर्गावती भारतीय सहायक प्राध्यापक हिन्दी ने कहा कि सेमिनार में विषय से सम्बन्धित ज्ञान प्राप्त होता है। विद्यार्थी उस विषय को मंच में प्रस्तुत करने से आत्मविश्वास बढ़ता है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्राचार्य डॉ. एसके चटर्जी नें कहा कि सेमिनार प्रस्तुत करते समय तीन चीजें बहुत जरुरी है। पहला प्रस्तुतीकरण, दूसरा सामूहिक चर्चा और तीसरा विषय की पूरी तैयारी। सेमिनार से विद्यार्थियों को अपने विषय का ज्ञान बहुत अच्छे से होता है। प्राचीन भारत की संस्कृति पर विक्रमदास मानिकपुरी, मिली नायक, वर्षा विश्वकर्मा, कुमेश्वरी, कुलवन्त दीवान, नेहा नायक, अमन, अश्वनी साहू, उषा चंद्राकर एमए तृतीय सेमेस्टर ने प्रस्तुत किया। छत्तीसगढ़ के क्षेत्रीय राजवंश पर गंगा टण्डन, पूनम पॉल, ज्योति सहिस, दिव्या साहू, लोकेश सिन्हा, हीराधर ध्रुव एमए प्रथम सेमेस्टर के विद्यार्थियों ने प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम का संचालन अतिथि व्याख्याता इतिहास आकाश बाघमारे एवं आभार प्रदर्शन विभागाध्यक्ष इतिहास डॉ. रीता पाण्डेय ने किया।

कार्यक्रम में उपस्थित प्राध्यापक एवं विद्यार्थी। फोटो : नईदुनिया

कार्यक्रम को संबोधित करते शिक्षक। फोटो : नईदुनिया

पीजी कॉलेज में इतिहास विभाग का आयोजन

समाजशास्त्र विभाग में व्याख्यान

आज दिनांक 01 दिसम्बर 2018 को समाजशास्त्र विभाग में व्याख्यान का आयोजन किया गया। विषय विशेषज्ञ श्री सुधांशु दीवान, सहायक प्राध्यापक, शासकीय खे० ल० कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय, बागबाहरा ने सहभागी अवलोकन पर व्याख्यान दिया।

अमृत संदेश

गलवार, 4 दिसंबर 2018 **7**

समाजशास्त्र विभाग में व्याख्यान का आयोजन

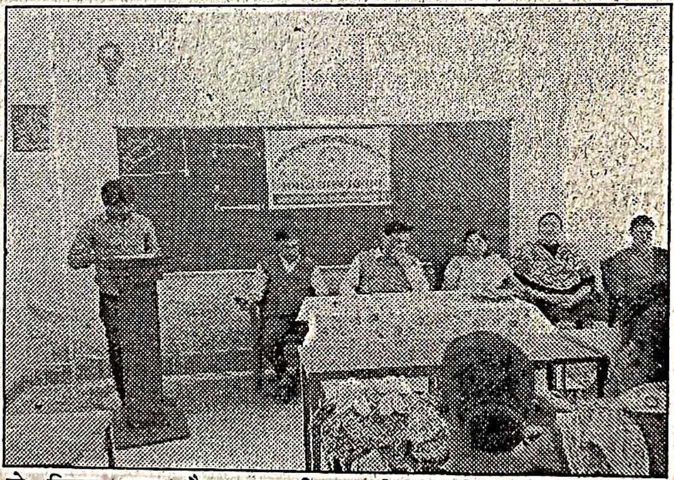

महासमुंद, 3 दिसंबर (असं)। शासकीय महाप्रभु वल्लभाचार्य महा विद्यालय महासमुंद के समाजशास्त्र विभाग में व्याख्यान का आयोजन किया गया। सर्वप्रथम प्राचार्य डॉ एस के चटर्जी ने सरस्वती मां पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इसके पश्चात पुष्प गुच्छ से अतिथियों का स्वागत किया गया। प्राचार्य ने कहा कि स्नातकोत्तर कक्षाओं में व्याख्यान,सेमिनार का विशेष महत्व है। विषय विशेषज्ञों द्वारा दिए गए व्याख्यान विद्यार्थियों के लिए लाभदायक होते हैं। विभागाध्यक्ष डॉ जया ठाकुर ने अनुसंधान में सहभागी अवलोकन के महत्व की चर्चा की विषय्र विशेषज्ञ श्री सुधांशु दीवान सहायक प्राध्यापक शासकीय खे.ल.कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय बागबाहरा ने अवलोकन एवं सहभागी अवलोकन से हुए अध्ययनों पर प्रकाश डाला। अवलोकन विधि में मानव इंद्रियों का प्रयोग विशेष रूप से किया जाता है। सहभागी अवलोकन करने के लिए अवलोकन कर्ता उस समूह या समुदाय में जाकर रहने लगता है और उस समुदाय का सदस्य बन जाता है। सफल अवलोकनकर्ता के लिए आवश्यक है कि उसे अपने अध्ययन समूह के लोगों की भाषा रिती रिवाज व्यवहार प्रथाओंह्य एवं परंपराओं की पूर्ण जानकारी हो। जान हावर्ड ने कैदियों का,लिप्ले तथा बूथ ने श्रमिक परिवारों का, मैलिनोवर्स्की ने ट्रोबीयांडा द्वीप समूह की अग्रोनॉट जनजाति का,बाइट ने सड़कों पर जीवन व्यंतीत करने वाले लोगों का सहभागी अवलोकन विधि से अध्ययन किया। इसी विधि द्वारा सामान्यता समुदायों,आदिम जातियों एवं उनकी संस्कृति का अध्ययन किया जाता है इस विधि द्वारा विस्तृत सूचनाएं,सूक्ष्म एवं गहन अध्ययन संभव है इससे वास्तविक व्यवहार का अध्ययन किया जाता है। व्याख्यान में डॉ. अनुसूया अग्रवाल, डॉ. रीता पांडे,श्रीमती सीमा रानी प्रधान उपस्थित थे। कुमारी प्रमिला महिलवार मान सेवी सहायक अध्यापक ने आभार प्रदर्शन किया।

10 नईदुनिया
रायपुर, मंगलवार 04 दिसंबर 2018

सफल अवलोकनकर्ता के लिए भाषा, रीति-रिवाज व परंपराओं की जानकारी जरूरी

कॉलेज के समाजशास्त्र विभाग में व्याख्यान का आयोजन

महासमुंद। नईदुनिया न्यूज

शासकीय महाप्रभु वल्लभाचार्य स्नातकोत्तर महाविद्यालय महासमुंद के समाजशास्त्र विभाग में व्याख्यान का आयोजन किया गया। इसमें विषय विशेषज्ञ सुधांशु दीवान सहायक प्राध्यापक शासकीय खेल कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय बागबाहरा ने कहा कि सफल अवलोकनकर्ता के लिए आवश्यक है कि उसे अपने अध्ययन समूह के लोगों की भाषा रीति-रिवाज व्यवहार प्रथाओं एवं परम्पराओं की पूर्ण जानकारी हो।

व्याख्यान में उपस्थित प्राध्यापक। फोटो : नईदुनिया

व्याख्यान को सुनते छात्र-छात्राएं। फोटो : नईदुनिया

सर्वप्रथम प्राचार्य डॉ. एसके चटर्जी ने सरस्वती मां पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इसके पश्चात पुष्पगुच्छ से अतिथियों का स्वागत किया गया। प्राचार्य चटर्जी ने कहा कि स्नातकोत्तर कक्षाओं में व्याख्यान, सेमिनार का विशेष महत्व है। विषय विशेषज्ञों द्वारा दिए गए व्याख्यान विद्यार्थियों के लिए लाभदायक होते हैं। विभागाध्यक्ष डॉ. जया ठाकुर ने अनुसंधान में सहभागी अवलोकन के महत्व की चर्चा की।

विषय विशेषज्ञ सुधांशु दीवान ने अवलोकन एवं सहभागी अवलोकन से हुए अध्ययनों पर प्रकाश डाला। अवलोकन विधि में मानव इंद्रियों का प्रयोग विशेष रुप से किया जाता है। सहभागी अवलोकन करने के लिए अवलोकनकर्ता उस समूह या समुदाय में जाकर रहने लगता है और उस समुदाय का सदस्य बन जाता है। व्याख्यान में डॉ. अनसूया अग्रवाल, डॉ. रीता पांडे, सीमा रानी प्रधान उपस्थित थे। प्रमिला महिलवार मानसेवी सहायक अध्यापक ने आभार प्रदर्शन किया।

शा. महाप्रभु वल्लभाचार्य स्ना. महाविद्यालय महासमुन्द

एम.ए. (हिन्दी) प्रथम सेमेस्टर के लिएदिनांक 11.11.2019 को आयोजित सेमिनार (समूह–चर्चा) में छात्र–छात्राओं ने निम्नानुसार शीर्षको मे प्रस्तुत किया:–

क्र.	नाम	शीर्षक	परिसंवाद पत्र	हस्ताक्षर
1	प्रकाश यादव	काल विभाजन	✓	प्रकाश कुमार
2	देवेन्द्र देवांगन *	हिन्दी साहित्य का नामकरण	✓	देवेन्द्र
3	रेनू साहू	निर्गुण भक्ति धारा	✓	रेनू साहू
4	रुपाली साहू	राम भक्ति काव्य धारा	✓	[illegible]
5	लोकेश्वरी साहू	सिध्दनाथ एवं जैन साहित्य, रासो	✓	Sahu
6	यशोदा चक्रधारी	कृष्ण भक्ति काव्य धारा	✓	यशोदा
7	शोभा गहरवाल	सूफी प्रेमाख्यानक काव्य	✓	शोभा
8	मधुलेका वर्मा	नागमति विरह खण्ड	✓	मधुलिका वर्मा
9	दुर्गेश्वरी साहू	चन्द्रगुप्त नाटक के प्रमुख पात्र	✓	दुर्गेश्वरी
10	अनुसुईया दीवान	दीपदान	✓	[illegible]
11	निहाल	एक दिन	✓	[illegible]
12	पूजा ध्रुव	रीड की हड्डी	✓	पूजा ध्रुव
13	अंजोरदास मांडले	तौलिए	✓	[illegible]
14	रेखा साहू	मम्मी ठकुराइन	✓	R.Sahu
15	पुरन चक्रधारी	अतीत के चलचित्र	✓	[illegible]
16	फत्तेलाल साहू	अतीत के चलचित्र	✓	F.L.Sahu
17	केशर सिन्हा	मैथिलीशरण गुप्त	✓	[illegible]
18	संतोषी सेन	साकेत नवम् सर्ग	✓	संतोषी सेन
19	सीताराम साहू	जय शंकर प्रसाद का साहित्य	✓	सीताराम
20	रीना साहू	सुमित्रानंदन पंत	✓	रीना साहू
21	संतोष साहू	सूर्यकांत त्रिपाठी निराला	✓	[illegible]
22	खेमसिंग दीवान	कामायनी	✓	खेमसिंह
23	प्रेमलता निषाद	हरिवंश राय बच्चन	✓	प्रेमलता
24	रुखमणी साहू	महादेवी वर्मा	✓	रुखमणी
25	विनिता निषाद	कवीर दास	✓	विनिता
26	योगेश वर्मा	मलिक मोहम्मद जायसी	✓	Y.Verma
27	पूजा यादव	रहीम	✓	पूजा यादव
28	रवीना निहाल	मीरा वाई	✓	[illegible]

29	...न पांडे	रसखान		
30	...प गोस्वामी	अमीर खुसरो		
31	...प पोषकर	विद्यापति		

डॉ. ... चन्द्राकर
अतिथि प्राध्यापक

श्रीमती ... प्रधान
सहायक प्राध्यापक

श्रीमती दुर्गावती भारतीय
सहायक प्राध्यापक

11.11.19

(डॉ. अनुसुईया अग्रवाल डी.लिट)
विभागाध्यक्ष एवं प्राध्यापक हिन्दी

डॉ. अनुसुईया अग्रवाल
प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष हिन्दी
शा.म.व. स्नातकोत्तर महाविद्यालय
महासमुन्द (छत्तीसगढ़) 493 445

राष्ट्रीय अभियोजक

• महासमुन्द, • सोमवार

• 18 नवम्बर से 24 नवम्बर 2019

महाप्रभु वल्लभाचार्य कॉलेज में हिन्दी विभाग में सेमीनार

छात्र-छात्राओं की उपलब्धियों से हिन्दी विभाग गौरवान्वित-डॉ. अनुसुईया

राष्ट्रीय अभियोजक समाचार सेवा

महासमुन्द। विगत 11 नवम्बर को शासकीय महाप्रभु वल्लभाचार्य स्नातकोत्तर महाविद्यालय महासमुन्द में हिन्दी विभाग में एम.ए. हिन्दी प्रथम सेमेस्टर में छात्रों के लिए सेमीनार का आयोजन किया गया। सेमीनार का शुभारंभ डॉ. अनुसुईया अग्रवाल डी.लिट, प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष के आशीष वचन से किया गया। डॉ. अग्रवाल ने कहा कि गुरू का प्रयास होता है कि उसका शिष्य सर्वोच्च ऊंचाई को प्राप्त करें। गुरू कुम्हार की भांति शिष्य को थपथपाकर सुंदर आकार देता है और परिश्रम के ताप से तपाकर उसे पक्का करता है। उन्होंने कहा कि हिन्दी विभाग है। उन्होंने निरंतर प्रगति पथ पर बढ़ने हेतु छात्रों को प्रेरित किया।

सेमीनार का विषय हिन्दी साहित्य के इतिहास का विवेचनात्मक अध्ययन रखा गया था। चयनित विषय में एम.ए.हिन्दी प्रथम सेमेस्टर के सभी प्रश्न-पत्र समाहित है। इसके अंतर्गत हिन्दी साहित्य के इतिहास के काल विभाजन, सिद्ध, नाथ, संत साहित्य, वीर गाथा काल, रीतिकाल, भक्तिकाल, -आधुनिक काल की प्रवृत्तियां, विशेषताओं के साथ पाठ्यक्रम में सम्मिलित नाटक एकांकी, महाकाव्य, कविता तथा कवियों का विवेचन किया गया।

इस अवसर पर पर डॉ. वैशाली गौतम हिरवे, विभागाध्यक्ष मनोविज्ञान ने छात्रों की प्रस्तुति की सराहना करते हुए शुभकामनाएं दीं। हिन्दी विभाग से डॉ. दुर्गावती भारतीय सहायक प्राध्यापक ने नाटक के रस-योजना, अभिनेयता एवं प्रस्तुतिकरण को विस्तार से समझाया। सीमारानी प्रधान सहायक प्राध्यापक ने काव्य के विविध पक्षों के साथ, कवि और उसके काव्य की साझा-संस्कृति पर प्रकाश डाला। डॉ. जीवन चन्द्राकर अ.स.प्रा. ने हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन के विविध पक्षों को उजागर किया। कार्यक्रम का संचालन एम.ए. प्रथम सेमेस्टर की कु. दुर्गेश्वरी साहू एवं प्रकाश यादव ने किया। कार्यक्रम में दोनों सेमेस्टर के छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

डॉ. अनुसुईया अग्रवाल
एम.ए., पीएच.डी., डी.लिट्.
प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष हिन्दी
शा.म.व. स्नातकोत्तर महाविद्यालय
महासमुन्द (छत्तीसगढ़) 493 445

फागोत्सव पर काव्य पाठ

दिनांक 24.02.2020

शास० महाप्रभु वल्लभाचार्य स्नातकोत्तर महावि महासमुन्द (छ.ग.) में डॉ. अनुसुइया अग्रवाल डी.लिट् प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष (हिन्दी) के मार्गदर्शन से स्नातकोत्तर हिन्दी साहित्य परिषद् के तत्वाधान में हेमंत ऋतु पर काव्यपाठ का आयोजन का आयोजन दिनांक 24.02.2020 को किया जा रहा है। काव्य पाठ का विषय "फागगीत" है।

कार्यक्रम का उद्देश्य काव्य जगत में रंग पर्व को लेकर बिखेरे गये रंगों से छात्र-छात्राओं को अवगत कराना तथा रचनाकारों से परिचित कराना। छात्रों में रचना धर्मिता का विकास करना एवं काव्यपाठ के जरिये उच्चारण क्षमता का विकास करते हुए प्रस्तुतीकरण की शैली से परिचित कराना।

कार्यक्रम में प्राचार्य डॉ. ज्योति पाण्डेय, डॉ. अनुसुइया अग्रवाल प्राध्या. एवं विभागाध्यक्ष हिन्दी, डॉ. रीता पाण्डेय विभागाध्यक्ष, इतिहास, डॉ. मालती तिवारी तिवारी विभागाध्यक्ष राजनीति विज्ञान, विभाग से डॉ. दुर्गावती भारतीय श्रीमती सीमारानी प्रधान डॉ. जीवन चन्द्राकर एवं छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहे।

(1) डॉ. अनुसुइया अग्रवाल (प्रा०) प्राध्या एवं विभागाध्यक्ष (हिन्दी विभाग) — संयोजक 24/02/2020

डॉ. अनुसुईया अग्रवाल
एम.ए., पीएच.डी., डी.लिट्.
प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष हिन्दी
शा.म.व. स्नातकोत्तर महाविद्यालय
महासमुन्द (छत्तीसगढ़) 493 445

(2) डॉ. रीता पाण्डेय विभागाध्यक्ष [इतिहास]
(3) डॉ. मालती तिवारी विभागाध्यक्ष [राज वि.]
(4) डॉ. दुर्गावती भारतीय सहा० प्रा० हिन्दी
(5) श्रीमती सीमारानी प्रधान सहा० प्रा० हिन्दी
(6) डॉ. जीवन चन्द्राकर अ० प्रा० हिन्दी

Ad Space

क्र.	छात्र का नाम	कक्षा	कविता एवं कवि का नाम	हस्ता.
1.	कु. लोकेश्वरी साहू	एम.ए. II	"होली आई रे" ललित साहू	LSahu
2.	कु. पूजा आँगड़े	एम.ए. IV सेम	"रंग बिरंगी प्यारी"	Pooja
3.	कु. रेनु साहू	एम.ए. II सेम	"चलो फागुन की खुशियाँ मनाये" भवानी प्रसाद मिश्र	Ainu
4.	कु. केशर सिन्हा	एम.ए. II	"होली है तो आज शत्रु को बाहों में भर लो" हरिवंशराय बच्चन	Sinha
5.	कु. जीतिका साहू	एम.ए. IV	होरी और रसिया की, यद माती राग का ठाकुरदास कुल्हाड़ा	
6.	कु. रविना निहाल	एम.ए. II	"का संग खेलूं मैं होरी" मोहिन्दर कुमार	[signature]
7.	फतेलाल	एम.ए. IV	"होरी खेलन आई राधा प्यारी" मीराबाई	Elsahu
8.	कु. दुर्गेश्वरी	एम.ए. II	"बसंती रंग होली" कुमार विश्वास	दुर्गेश्वरी
9.	कु. रेखा साहू	"	"फागुन के गीत" केदारनाथ	RSahu
10.	कु. रूपली साहू	"	"फागुनी शाम" नामवर सिंह	RSahu
11.	कु. पूजा ध्रुव	"	"कौन रंग फागुन रंगे" दिनेश शुक्ल	पूजा ध्रुव
12	कु. सीमा गहरवाल	"	"फागुन आयारे" हेमंत श्रीमाल	सीमा
13	कु. अंजू चक्रधारी	एम.ए. IV	"आओ की होली आज कुछ यूं मनाये"	Anju
14	कु. लता चक्रधारी	"	"रंगों का त्यौहार"	Lata
15.	कु. चित्ररेखा	"	"होली आई" गुलशन मदान	Chitralekha
16	कु. सोनल	एम.ए. II	रंगो का त्यौहार है होली [illegible]	Sonal
17.	कु. ओमकुमारी	एम.ए. IV	"तेरे संग खेली मैंने कल्पना की होली" [illegible]	ओमकुमारी
18.	सीताराम साहू	एम.ए. II	"फाग राग गुलाल की" [illegible]	सीताराम
19	पुरन चक्रधारी	"	"खेलत फाग सुहाग भरी" [illegible]	पुरनकुमार
20	निहाल उइके	"	"होली आई होली आई" रूपचन्द्र शास्त्री मयंक	[signature]
21	नोहर तिवारी	एम.ए. IV	"बहारे होली की" नजीर अकबराबादी	Nohartiwari
22	प्रकाश यादव	एम.ए. II	'होली' [illegible]	प्रकाशकुमार
23	संतोष कुमार साहू	एम.ए. II	'फागुन मदमस्त' [illegible]	[signature]

संयोजक
29/02/2020

डॉ. अनुसुईया अग्रवाल
एम.ए., पीएच.डी., डी.लिट्.
प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष हिन्दी
शा.म.व. स्नातकोत्तर महाविद्यालय
महासमुन्द (छत्तीसगढ़) 493 445

25/28

राम ने मर्यादा, कृष्ण ने प्रेम की खेली होली : डा. अनसुया

◆ नवभारत कार्यालय द्वारा । महासमुंद.
www.navbharat.org

पीजी कॉलेज में प्राचार्य डॉ. ज्योति पाण्डेय के मार्गदर्शन एवं डॉ. अनुसुइया अग्रवाल के संयोजन में फाग-उत्सव अंतर्गत फाग आधारित काव्यपाठ का आयोजन हिंदी विभाग में किया गया. कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्य डॉ. ज्योति पाण्डेय, डॉ. अनुसुइया अग्रवाल, डॉ. मालती तिवारी, डॉ. रीता पाण्डेय की उपस्थिति में मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण कर किया गया. प्राचार्य डॉ. ज्योति पाण्डेय ने छात्रों को साहित्य का जीवन एवं समाज में महत्व को रेखांकित किया. उन्होंने आगे कहा कि छात्र कोई भी विषय में सर्वोच्च शिखर पर पहुँच सकता है, बशर्ते उस विषय पर संपूर्ण ध्यान लगाये. डॉ. अनुसुइया अग्रवाल ने कहा कि होली के कई रूप और स्वरूप हैं राम ने मर्यादा की होली खेली, तो रावण ने अहंकार की, कृष्ण ने प्रेम की तो कंस और दुर्योधन ने प्रतिशोध की होली खेली. वहीं सूर, तुलसी और मीरा ने अगाध भक्ति की होली खेली. आगे उन्होंने कहा

पीजी कॉलेज में फाग आधारित काव्यपाठ

कि इस होली पर अंतस में ऐसा रंग भरे जो नफरत का न हो, किसी मजहब का न हो. मन की सारी ग्रंथियां खुल जाए तभी मन से मन मिलेगा और होली पर्व मनाने की सार्थकता सिद्ध होगी. डॉ. रीता पाण्डेय ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम में व्यक्तित्व का विकास होता है. डॉ. मालती तिवारी ने कहा कि साहित्य से जीवन जीने की दृष्टि मिलती है. डॉ. दुर्गावती भारतीय ने काव्यपाठ में स्वर, ताल, उच्चारण एवं प्रस्तुतिकरण के बारे में जानकारी दी. श्रीमती सीमारानी प्रधान हिंदी ने कहा कि यह पर्व असमानता को मिटाकर समानता स्थापित करता है. डॉ. जीवन चंद्राकर ने छात्रों को प्रत्येक उत्सव का आनंद लेने एवं अनुभूति को साहित्यिक रूप में अभिव्यक्त करने के लिए प्रेरित किया. इस अवसर पर छात्रों द्वारा रूचिकर एवं सरस काव्यपाठ किया गया. जिसमें कु. लोकेश्वरी ने होली आई रे, कु. पूजा जांगडे ने रंग बिरंगी प्यारी, ऐनु साहू ने चलो फागुन की खुशियां मनायें, केशर सिन्हा ने होली है जो आज गांव को बहों में भर लो, कृतिका साहू ने होली और रसिया को, रचिना निहाल ने का संग खेलूं मैं होरी, [illegible] ने होरी खेलन कु आई, दुर्गेश्वरी ने बसंती रंग होली, रेखा साहू ने फागुन के गीत, पूजा ने कौन रंग फागुन रंगे, मोनिका महरवाल ने फागुन आयो रे, अंजु ने आओ की होली आज, लता ने रंगों का त्यौहार, दिव्या ने होली आई, सोनल ने रंगों का त्यौहार है, ओमकुमारी ने, [illegible] की होली, सीताराम ने [illegible] की धुन में खेलत [illegible], निहाल ने होली आई, मोहर ने बहारें होली की, प्रकाश ने होली, संतोष ने फागुन मदमस्त कविता का पाठ किया. कार्यक्रम में एम.ए. द्वितीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर के छात्र-छात्राओं सहित हिंदी विभाग एवं अन्य विभाग के छात्र-छात्राएं भी उपस्थित थे.

24/02/2020

डॉ. अनुसुईया अग्रवाल
एम.ए., पीएच.डी., डी.लिट्.
प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष हिन्दी
शा.म.व. स्नातकोत्तर महाविद्यालय
महासमुन्द (छत्तीसगढ़) 493 445

दिनांक 05/02/2020

वसंतोत्सव पर काव्यपाठ

शास० महाप्रभु वल्लभाचार्य स्नातकोत्तर महाविद्यालय महासमुन्द में डॉ. अनुसुइया अग्रवाल डी.लिट प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष हिन्दी विभाग के मार्गदर्शन से हिन्दी विभाग में स्नातकोत्तर हिन्दी साहित्य परिषद् के तत्वाधान में वसंत ऋतु पर काव्यपाठ का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में डॉ अनुसुइया अग्रवाल (हिन्दी) प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष हिन्दी, डॉ. जया ठाकुर विभागाध्यक्ष समाजशास्त्र, डॉ. रीता पाण्डेय विभागाध्यक्ष इतिहास एवं हिन्दी विभाग से श्रीमती सीमारानी प्रधान सहायक प्राध्यापक, डॉ. जीवन चन्द्राकर अतिथि सहा० प्राध्या० के साथ छात्र-छात्राएं उपस्थित थे। छात्र-छात्राओं (एम.ए. द्वितीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर) द्वारा प्रसिद्ध रचनाकारों के वसंत आधारित काव्य का सस्वर पाठ किया गया। वसंत ऋतु के स्वागत में आयोजित कार्यक्रम उद्देश्य की प्राप्ति में सफल रहा।

संयोजक

डॉ. अनुसुइया अग्रवाल
एम.ए., पीएच.डी., डी.लिट्.
प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष हिन्दी
शा.म.व. स्नातकोत्तर महाविद्यालय, महासमुन्द (छ.ग.)

1. डॉ. अनुसुइया अग्रवाल (डी.लिट्) प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष हिन्दी
2. डॉ. जया ठाकुर विभागाध्यक्ष समाजशास्त्र – Jthakur
3. डॉ. रीता पाण्डेय विभागाध्यक्ष इतिहास –
4. श्रीमती सीमारानी प्रधान सहा० प्रा० –
5. डॉ. जीवन चन्द्राकर अ. सहा. प्राध्या. –

क्र.	नाम	कक्षा	काव्य पंक्ति एवं कवि का नाम	हस्ता.
1	संतोष कुमार	एम ए II	फिर वसंत की आत्मा आई, मिटे प्रतिक्षा के दुर्वह क्षण। सुमित्रानंदन पंत	[signature]
2.	नोहर तिवारी	एम.ए IV सेम	अरे ये पल्लव बाल, सजा सुमनों ... पंत	Dhachwani
3.	कु० अंजू ...		व... दो, कलिया फिर से ... स्वागत वसु	Anju

7:41

Ad Space

4.	कु० लता	एम.ए. IV सेम	"खिल रही है कोमल कलियाँ खिल रहा आकाश है।"	[signature]
5.	कु० पूजा नौगड़े	"	"फूल खिले मदमस्त हुए खिल रहा आकाश"।	[signature]
6.	निहाल ढके	"	"धूप खिले फूल खौना छाँव में भी झौर सतरंग"	[signature]
7.	कु० दुर्गेश्वरी साहू	एम.ए. II सेम	"बरन बरन तरु फूले उपवन, सोई चतुरंग संगदल लहियत है।"	दुर्गेश्वरी
8.	कु० अनुसुइया दीवान	"	"सखी बसंत आया, भरा हर्ष वन के मन।"	[signature]
9.	कु० मानसी बर्मन	"	"जब फूल का सरसों के हुआ, आके खिलन्ला।" नजीर अकबराबादी	Mansi
10.	प्रकाश यादव	"	"महुए की डाली पर उतरा बसंत संयम के टूटेंगे फिर से अनुबंध"	प्रकाश
11.	खेमसिंह दीवान	"	"आया बसंत आया बसंत छाई जग में शोभा अनंत" सो...	खेमसिंह
12.	फत्तेलाल	"	"चैत बसंता होई धमारी, मांहि लेखे संसार उजारी"	[signature]
13.	कु० रेखा साहू	"	रंग-बिरंगी खिली अधखिली, किसीम² की गंधों स्वादवाली मंजरियाँ"	[signature]
14.	अंजोर दास	"	"बसंत धरा पर आये, मन बसंत सम हो जाये।"	अंजोरदास
15.	कु० पूजा ध्रुव	"	'आओ आओ फिर मेरे, बसंत की परी छवि"	पूजा ध्रुव
16.	कु० रविना	"	आया वसंत आया वसंत छाई जग में शोभा अनंत"	[signature]
17.	कु० सोनल	"	"उड़ उड़ कर अम्बर से" जब धरती पर आता है।	

[signature]
संयोजक
डॉ. अनुसुईया अग्रवाल
एम.ए., पीएच.डी., डी.लिट्.
प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष हिन्दी

पत्रिका . महासमुंद, शुक्रवार, 7 फरवरी 2020

आयोजन : पीजी कॉलेज के हिन्दी विभाग में हुआ काव्यपाठ

छात्र-छात्राओं ने वसंत पर आधारित सुंदर रचनाओं का किया पाठ

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

महासमुंद. शासकीय महाप्रभु वल्लभाचार्य स्नातकोत्तर महाविद्यालय महासमुंद में डॉ. अनुसुइया अग्रवाल प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष हिंदी के मार्गदर्शन एवं उपस्थिति में वसंतोत्सव पर काव्यपाठ का आयोजन किया गया।

डॉ. जया ठाकुर विभागाध्यक्ष समाजशास्त्र, डॉ. रीता पाण्डेय विभागाध्यक्ष इतिहास विभाग की आतिथ्य में कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में एमए हिन्दी के द्वितीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर के छात्र-छात्राओं द्वारा वसंत आधारित प्रसिद्ध रचनाकारों के रचना का सस्वर पाठ किया गया। दुर्गेश्वरी ने कवि सेनापति की कविता 'बरन-बरन तरु फूले उपवन वन, सोई चतुरंग संग दल लहियत हैं', संतोष कुमार ने सुमित्रानंदन पंत की 'फिर वसंत की आत्मा आई,' प्रकाश यादव ने अजय पाठक की 'महुए की डाली' पर उतरा वसंत, संयम के टूटेंगे फिर से अनुबंध', निहाल उइके ने गोपालदास नीरज की कविता 'धूप बिछाए फूल बिछौना, छांव में भी वसंत, सतरंग,' अंजोर दास ने कविता नागर की 'बसंत धरा पर आए मन वसंत सम हो जाए', खेमसिंग दीवान ने सोहनलाल द्विवेदी की 'आया वसंत आया' फत्तेलाल साहू ने जायसी की 'चैत वसंता होई धमारी', मानसी बर्मन ने 'जब फूलवा सरसों के हुआ आके खिलन्ता मारा वसन्ता', सोनल गोस्वामी शंभूनाथ की 'उड़-उड़ कर अम्बर से, जब धरती पर आता है, पूजा ध्रुव ने निराला की 'आओ आओ फिर मेरे वसंत की परी छवि, रेखा साहू ने नागार्जुन रंग-बिरंगी खिली अधखिली, अनुसुईया ने 'सखी वसंत आया, भरा हर्ष वन के मन, रविना ने सोहनलाल द्विवेदी की आया वसंत आया छाई जग में शोभा अनंत, अंजू ने स्वागत वसु की वसंत को आने दो, कलियां फिर से खिलने दो' लता चक्रधारी ने 'खिल रही है कोमल कलियां, खिल रहा आकाश है' नेहा तिवारी ने [illegible] 'अरे ये पल्लव बाल, सजा सुमनों के सौरभ हार,' पूजा जांगड़े ने 'फूल खिले मद मस्त हुए' कविता से भाव विभोर कर दिया। इस अवसर पर डॉ. अनुसुइया अग्रवाल ने छात्रों को बधाई दी।

वसंतोत्सव : आयोजन में उपस्थित प्राध्यापक व छात्र-छात्राएं।

वसंत आनंद व उल्लास का प्रतीक है

डॉ. अनुसुइया अग्रवाल ने कहा कि ऋतुराज वसंत का नाम सुनते ही जैसी मादकता और उल्लास का आगमन मन में होता है, वैसे ही प्रकृति में भी होता है। भारतीय हिंदी सिनेमा भी वसंत के उस मोहक प्रभाव से अछुता नहीं है। फिल्म 'वसंत बहार' का गीत- 'राग रंग अंग-अंग छेड़त रसिया अनंग, कोयल की पंचम सुन दुनिया दुख भूले' की चर्चा की। इस अवसर पर डॉ. जया ठाकुर ने कहा कि छात्रों के चेहरे को देखकर लग रहा है कि वसंत यहीं कहीं बिखरा है। डॉ. रीता पाण्डेय ने छात्र-छात्राओं को इस आयोजन के लिए शुभकामनाएं देते हुए कहा कि वसंत आनंद व उल्लास का प्रतीक है। प्रकृति को इसी रूप में स्वीकार करना चाहिए। [illegible] ने वसंत पर आधारित काव्यपाठ किया। कार्यक्रम का संचालन प्रकाश यादव एवं दुर्गेश्वरी साहू ने किया। इस अवसर पर छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

संयोजक
डॉ. अनुसुईया अग्रवाल
एम.ए., पीएच.डी., डी.लिट्.
प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष हिन्दी
शा.म.व. स्नातकोत्तर महाविद्यालय
महासमुंद (छत्तीसगढ़) 493-445

दैनिक भास्कर

रायपुर, शनिवार 06 मार्च, 2021 | 18

सामाजिक परिवर्तन कभी धीमी तो कभी तेजी से चलने वाली प्रक्रिया हैः डॉ. जया

महाप्रभु वल्लभाचार्य कॉलेज में हुआ सेमीनार

भास्कर न्यूज़ | महासमुंद

शासकीय महाप्रभु वल्लभाचार्य स्नातकोत्तर महाविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग द्वारा एक दिवसीय सेमीनार का आयोजन किया गया। यह सेमीनार प्राचार्य डॉ. ज्योति पाण्डेय के निर्देश पर एमए समाजशास्त्र के विद्यार्थियों के लिए आयोजित किया गया। सेमीनार का विषय ग्रामीण समाज में सामाजिक परिवर्तन था। इस पर डॉ. जया ठाकुर ने कहा, सामाजिक परिवर्तन निरंतर होते रहता है। कभी मंद गति से कभी तेजी से। सामाजिक परिवर्तन सर्वव्यापी नियम है। ग्रामीण व शहरी क्षेत्र में होने वाले परिवर्तन व अंतरजातीय और प्रेम विवाह जैसे समसामयिक बिंदुओं पर उन्होंने विस्तृत व्याख्यान दिया।

इन विषयों पर रखे विचार : सेमीनर में प्राचार्य डॉ. ज्योति पांडेय ने ग्रामीण समाज व भाषा साहित्य पर विचार रखे। डॉ. दुर्गावती भारतीय ने बताया गांव में सामाजिक सोच व खान-पान, रहन-सहन में परिवर्तन हुआ है। डॉ. रीता पांडेय ने ग्रामीण समाज व ब्रिटिश व्यापारीकरण और कृषि अर्थव्यवस्था पर विचार रखे। इसी तरह अन्य प्राध्यापकों ने भी विभिन्न बिंदुओं पर अपने विचार रखे।

महासमुंद। कॉलेज में आयोजित सेमीनार में उपस्थित छात्राएं।

पंकज डहरिया बने विभाग छात्राध्यक्ष

सेमीनार के बाद समाजशास्त्र विभाग के परिषद का गठन किया गया। इसमें सर्वसम्मति से विभाग छात्र अध्यक्ष पंकज डहरिया, उपाध्यक्ष संतोषीनी बढ़ाई, सचिव निधि बजाज व सह सचिव मानसी यादव को बनाया गया। सेमीनार में प्रथम सेमेस्टर के 18 प्रतिभागियों ने शोध पत्र प्रस्तुत किए। मंच संचालन व आभार प्रदर्शन प्रिंस चक्रधारी ने किया।

मानवधिकार उद्भव, विकास एवं महत्व विषय पर एक दिवसीय सेमिनार

महासमुंद। शा.महाप्रभु वल्लभाचार्य स्नातकोत्तर महा. की राजनीति शास्त्र विभाग द्वारा दिनांक 27 जुलाई 2021 द्वितीय सेमेस्टर एवं चतुर्थ सेमेस्टर के विधार्थियों का गूगल मीट के माध्यम से एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन मानवाधिकार उद्भव, विकास एवं महत्व विषय पर किया गया। कार्यक्रम में डॉक्टर मालती तिवारी विभागाध्यक्ष

राजनीति विज्ञान, एम.एस. वर्मा सहायक प्राध्यापक राजनीति विज्ञान, विजय कुमार मिर्चे अतिथि सहायक प्राध्यापक राजनीति विज्ञान की उपस्थिति में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। स्वागत गीत कु रंजीता फेंगलो द्वारा किया गया। सर्वप्रथम डॉ मालती तिवारी ने उद्बोधन में कहा कि कोरोना महामारी ने हमारे जीवन शैली को बदल दिया है एहमें महामारी से खुद को बचाए

रायपुर, बुधवार 13 अक्टूबर 2021
haribhoomi.com

समाजशास्त्र विभाग में रिसर्च मेथाडोलॉजी पर व्याख्यान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महासमुंद

शासकीय महाप्रभु वल्लभाचार्य पीजी कॉलेज में समाजशास्त्र विभाग में अनुसंधान रिसर्च मेथाडोलाजी पर व्याख्यान हुआ। मुख्य अतिथि डा हेमलता बोरकर सहायक प्राध्यापक समाजशास्त्र अध्ययन शाला पंडित रविशंकर शुक्ल विवि रायपुर ने सर्वप्रथम मां सरस्वती की पूजा अर्चना की। समाजशास्त्र विभाग की विभागाध्यक्ष डा माया ठाकुर ने बुके से स्वागत किया। डा माया ठाकुर ने कहा कि समाजशास्त्र के विद्यार्थियों को सामाजिक समस्याओं पर शोध कार्य करना चाहिए। डा हेमलता बोरकर ने कहा कि अनुसंधान करने के लिए सर्वप्रथम क्षेत्र की समस्या को ध्यान में रखते हुए विषय का चुनाव एवं संबंधित साहित्य का अध्ययन करना चाहिए। विषय से संबंधित सूचनादाताओं का चयन कर उपकल्पना का निर्माण करें, अनुसंधान के लिए तीन उपकरणों का उपयोग होता है साक्षात्कार अनुसूची, प्रश्नावली, साक्षात्कार मार्गदर्शिका। किस उपकरण का प्रयोग करना है यह सुनिश्चित करें। उपकरण एवं प्रविधि द्वारा तथ्यों का संकलन करें अध्ययनकर्ता को निष्पक्ष एवं पूर्वाग्रह से मुक्त रहना है, तथ्यों का सांख्यिकी विश्लेषण कर निष्कर्ष प्राप्त करें। डॉ बोरकर ने अनुसंधान की बारीकियों, रिसर्च टूल्सटेक्निक एवं पॉलिसी जैसे महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विद्यार्थियों का ध्यान आकर्षित किया। इस अवसर पर डा रीता पांडे, डा दुर्गावती भारती, राजेश्वरी सोनी उपस्थित थे। संचालन प्रिंस चक्रधारी एवं आभार प्रदर्शन डा रीता पांडे विभागाध्यक्ष इतिहास ने किया।

सेमिनार क्लास का आयोजन

सेमिनार क्लास का आयोजन

तापमान
अधिकतम 27.2 डिग्री
न्यूनतम 13.6 डिग्री

हरिभूमि
महासमुंद भूमि
रायपुर, मंगलवार 14 दिसंबर 2021

सरायपाली | बसना | पिथौरा | बागबाहरा | तुमगांव | खरियार रोड

विभागीय सेमिनार मंच में बोलने से मिटती है झिझक

शासकीय महाप्रभु वल्लभाचार्य स्नातकोत्तर महाविद्यालय में हिंदी विभाग के प्रथम सेमेस्टर का सेमिनार

हरिभूमि न्यूज ›› महासमुंद

शासकीय महाप्रभु वल्लभाचार्य स्नातकोत्तर महाविद्यालय महासमुंद में हिन्दी विभाग के स्नातकोत्तर हिन्दी परिषद के तत्वावधान में एमए प्रथम सेमेस्टर में सेमिनार का आयोजन प्राचार्य डॉ ज्योति पाण्डे के निर्देशानुसार हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ अनुसुइया अग्रवाल डी लिट के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां शारदे के चरणों में दीप प्रज्वलन एवं पुष्प अर्पण कर किया गया। तत्पश्चात डॉ अनुसूइया अग्रवाल ने एमए हिंदी प्रथम सेमेस्टर के सभी विद्यार्थियों कहा कि विद्यार्थियों में बहुमुखी प्रतिभा को विकसित करने के उद्देश्य से महाविद्यालय में अनेक शैक्षणिक गतिविधियां संचालित की जाती हैं, जिनमें से विभागीय सेमिनार भी एक है। विभागीय सेमिनार से मंच में बोलने की झिझक मिटती है। अभिव्यक्ति कला विकसित होती है तथा धाराप्रवाह बोलने का अभ्यास होता है।

छात्रछात्राओं ने जयशंकर प्रसाद रचित महाकाव्य कामायनी के रहस्यवाद और दर्शनिकता पर अनेक प्रश्न तैयार कर नेहा पटेल, दीपम साहू, हेमंत साहू ने चर्चा की। साथ ही [illegible] राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त द्वारा लिखित महाकाव्य साकेत पर एवम उर्मिला के विरह वेदना का वर्णन दीक्षा, जागृति साहू, डागेश्वरी सोनकर, सविता, बबिता चंद्राकार ने चर्चा की। [illegible] एवं सरोज स्मृति खिलेश्वरी, कल्याणी, डागेश्वर, खुश्बू साहू, दिव्या एवं वतन सिंह ने चर्चा की। और द्रुत पाठ से सम्मिलित छः कवियों हरिवंशराय बच्चन, महादेवी वर्मा, जगन्नाथ दास रत्नाकर, छायावाद के प्रवर्तक मुकुटधर पाण्डेय, सुमित्रानंदन पंत पर विभिन्न प्रश्न तैयार कर दीपक साहू, लक्ष्मी, प्रेमा [illegible] राजकुमार, मनीषा, अभिलाषा, तितिक्षा, शांति, चंपी, वामिनी, कुलेश्वरी ने अपना सेमिनार दिया। कार्यक्रम में डॉ दुर्गावती भारतीय सहायक प्राध्यापक हिंदी, सीमारानी प्रधान सहायक प्राध्यापक हिंदी एवं डॉ जीवन चंद्राकर अतिथि सहायक प्राध्यापक हिंदी साथ ही पीताम्बर कुमार पटेल एवं लीना चंद्राकार तृतीय सेमेस्टर हिंदी और प्रथम सेमेस्टर के सभी छात्र- छात्राएं सेमीनार में उपस्थिति रहे। सेमिनार में कुल 40 विद्यार्थियों का सेमिनार हुआ। कार्यक्रम का संचालन [illegible]

अमृत संदेश

■ रायपुर ■ शुक्रवार, 25 फरवरी 2022

समाजशास्त्र में संभावनाएं विषय पर व्याख्यान

महासमुंद। शासकीय महाप्रभु वल्लभाचार्य स्नातकोत्तर महाविद्यालय महासमुंद के समाजशास्त्र विभाग में समाजशास्त्र में संभावनाएं विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया मां सरस्वती की पूजा अर्चना उपरांत डॉ सी एल साहू विभागाध्यक्ष समाजशास्त्र सेठ फूलचंद अग्रवाल महाविद्यालय राजीम का विभागाध्यक्ष समाजशास्त्र डॉक्टर जया ठाकुर ने पुष्पगुच्छ से स्वागत किया। उन्होंने कहा कि समाजशास्त्र विषय पढ़ने वाले विद्यार्थी अधिक व्यवहार कुशल होते हैं, वह सामाजिक समस्याओं का समाधान सरलता से कर लेते हैं। डॉ सी एल साहू ने कहा समाजशास्त्र में कैरियर सुनिश्चित करने की अपार संभावनाएं हैं, समाजशास्त्र कार्य प्रणालियों को समझने में एक ठोस आधार प्रदान करता है ताकि विद्यार्थियों में विकसित कौशल का उपयोग विभिन्न प्रकार के कैरियर निर्माण में किया जा सके। विश्वविद्यालय में शोध कार्य और शिक्षण एक अच्छा विकल्प होता है, समाजशास्त्र के छात्रों के लिए लेखन स्वतंत्र पत्रकारिता में बहुत संभावनाएं हैं। इस अवसर पर डॉक्टर अनुसूया अग्रवाल, डॉक्टर दुर्गावती भारती, वैशाली हिरवे, श्रीमती सीमा रानी प्रधान, समाजशास्त्र प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय सेमेस्टर के विद्यार्थी उपस्थित थे। आभार प्रदर्शन श्रीमती दीपा सोनकर ने किया ।

महात्मा गाँधी के विचार की प्रासंगिकता

छात्र-छात्राएं हुए शामिल

महात्मा गांधी ने अपना संपूर्ण जीवन राष्ट्र को किया न्योछावर

विद्यार्थियों ने भी किया संबोधित

महात्मा गांधी के जीवन मूल्यों पर आधारित प्रश्न मंच का आयोजन

'गांधी के विचारों की प्रासंगिकता' पर सेमिनार सम्पन्न

महासमुंद। शासकीय महाप्रभु वल्लभाचार्य स्नातकोत्तर महाविद्यालय महासमुंद की प्राचार्य डॉ. ज्योति पांडे के निर्देशानुसार ...

सेमिनार | पीजी कॉलेज में पंचायती राज व्यवस्था पर ...

पंचायती राज व्यवस्था प्रजातंत्र की आधारशिला : डॉ. तिवारी

[illegible]

स्थानीय लोगों को शासन की शक्ति सौंपना ही पंचायती राज के उद्देश्य

कॉलेज में स्थानीय स्वशासन पंचायती राज व्यवस्था पर हुआ सेमीनार

महासमुंद. सोमवार को शासकीय महाप्रभु वल्लभाचार्य स्नातकोत्तर कॉलेज में प्राचार्य डॉ. ज्योति पांडे के निर्देशानुसार स्थानीय स्वशासन पंचायती राज व्यवस्था विषय पर सेमिनार का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि डॉ. अनुसूया अग्रवाल थीं। अध्यक्षता डॉ मालती तिवारी ने की। विशेष अतिथि जया ठाकुर, डॉ. रीता पांडे, एसएस वर्मा, विजय कुमार मिंचे अतिथि व्याख्याता [illegible] थे। डॉ. अनुसूया अग्रवाल ने कहा कि सेमिनार से छात्र-छात्राओं में सकारात्मक उत्साह का संचार होता है। डॉ. तिवारी ने कहा प्रशासनिक अधिकारों का विस्तार, स्थानीय लोगों को शासन की शक्ति सौंपना ही स्वशासन और पंचायती राज के उद्देश्य है। डॉ. रीता पांडे ने स्थानीय स्वशासन को वैकल्पिक व्यवस्था कहा, जो वास्तव में आधुनिक भारत की पंचायती राज व्यवस्था के रूप में हमारे बीच है।

महासमुंद. सेमिनार के मौके पर उपस्थित शिक्षक व छात्र-छात्राएं।

प्रश्नोत्तरी के विजेता पुरस्कृत हुए

सेमिनार में छात्र-छात्राओं ने स्थानीय स्वशासन के अंतर्गत पंचायती राज व्यवस्था की पृष्ठभूमि, [illegible] में विकास कार्य, स्थानीय स्वशासन में आने वाली चुनौतियां, महिलाओं की भागीदारी, [illegible] राज में पंचायती राज व्यवस्था के विकास क्रम आदि विषयों पर अपने विचार रखे। [illegible] में भाग लेने वाले छात्र-छात्राओं को [illegible] दिया गया। [illegible] इस अवसर पर [illegible], मोनिका यादव, वर्षा चंद्राकर, जागृति, सिन्हा, [illegible] छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

सेमिनार में विद्यार्थियों को दी पंचायती राज व्यवस्था पर जानकारी

[illegible] राजनीति शास्त्र, विजय कुमार मिंचे अतिथि व्याख्याता राजनीति शास्त्र मौजूद रहे। डॉ तिवारी ने कहा प्रशासनिक अधिकारों का विस्तार स्थानीय लोगों को शासन की शक्ति सौंपना है, स्वशासन एवं पंचायती राज व्यवस्था प्रजातंत्र की आधारशिला एवं लोकतंत्र के लिए महत्वपूर्ण बताया। मुख्य अतिथि डॉ अग्रवाल ने कहा कि सेमिनार से छात्रों में सकारात्मक उत्साह का संचार होता है। डॉ रीता पांडे, डॉ.जया ठाकुर, श्री मिंचे ने भी संबोधित किया। प्रश्नोत्तरी में भाग लेने वाले छात्र-छात्राओं को प्रमाण पत्र और वस्तुनिष्ठ प्रश्न में प्रथम स्थान भगवती सोनवानी एवं द्वितीय स्थान प्रीतम साहू को प्रशस्ति पत्र एवं मोमेंटो प्रदान किया गया। आभार सत्य प्रकाश, मोनिका यादव, वर्षा चंद्राकर, जागृति, सिन्हा, रंजीता आदि उपस्थित रहे।

आयोजन : वल्लभाचार्य कॉलेज में हुआ सेमिनार का आयोजन

सेमिनार से छात्र-छात्राओं में होता है सकारात्मक उत्साह का संचार

कॉलेज में छात्र-छात्राओं की कम उपस्थिति पर चर्चा

[illegible]